A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 02 अक्टूबर, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 336, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

महात्मा गांधी और उनकी वसीयत

नामवर सिंह

उत्तराधिकार के लिए सबसे बड़ा युद्ध भारतीय इतिहास में मुग़ल बादशाह शाहजहाँ के बेटों में बताया जाता है। पूरा बयान तो नहीं मिलता, लेकिन इतना पता ज़रूर चलता है कि शाहजहाँ अपने बड़े और विद्वान पुत्र दारा को ही राजगद्दी देना चाहता था। लेकिन उससे बड़ा युद्ध आज दिखाई पड़ता है। बापू अचानक दिवंगत हो गए–'राम' को छोड़कर अंतिम समय और कुछ नहीं कह गए। जिन्हें राजगद्दी लेनी थी, उन्होंने तो ले ली; लेकिन उनके दूसरे सपूत भी इस बीच गले के ज़ोर से सिद्ध करते रहे कि बापू के सच्चे उत्तराधिकारी हमीं हैं। शायद ही कोई राजनीतिक दल इस उत्तराधिकार से बचा हो। अब तक तो 'राम नाम की लूट है, लूट सके सो लूट' वाली हालत थी। अंत काल तक पछताने के लिए कोई नहीं रहा। रह-रहकर मेरे मन में उठ रही है बापू की वसीयत की। नेहरूजी ने बापू के स्वर्गारोहण के समय अपने भाषण में शायद कहा था कि 'अब वह ज्योति हम कोटि-कोटि भारतीयों में बिखर गई है।' उस दिन इसका अर्थ समझ में नहीं आया, लेकिन आज वह कुछ खुल रही है। यह बात बापू की आत्मा के विषय में नहीं, उनकी वसीयत के बँटवारे के विषय में कही गई थी। उस बँटवारे का पता मुझे विश्वस्त सूत्र से लगा है। वहाँ मुख्य बातों की सूचना दी जा रही है।

गांधीजी के गुरुः गुरु के विषय में चेले अक्सर लड़ते ही हैं, लेकिन गुरु के गुरु के विषय में भी कभी-कभी काफ़ी छीना-झपटी होती है। मशहूर है कि गांधीजी के गुरु तीन बंदर थे। परंतु तीनों को कोई एक आदमी न लूट सका। सुनते हैं कि दो बंदरों को तो सरकार उठा ले गई-एक तो वह जिसने दोनों हाथों कान बंद कर लिए हैं और दूसरा वह जिसने आँखें बंद कर ली हैं। ठीक भी है! आखिर जो अंधेर हो रहा है, उसे देखने के लिए ये आँखें थोड़े बनी हैं! उससे तो यही अच्छा है कि कुछ न देखें। फिर प्रजा की शिकायतें भी रोज़ पहुँची ही रहती हैं। इतना सुनते-सुनते तो कान बहरे हो जाएँगे। इसलिए सबसे अच्छा यही है कि कान ही बंद कर लें।

अब रह गया वह बंदर जिसने अपने मुँह पर हाथ रखा है। इसे कोई उठाने का नाम ही न ले। सरकार ने ज़बरदस्ती उसे उठाकर प्रजा के घर रखवा दिया ताकि न तो वह शोर करे और न भोजन। इससे एक तो देश में शांति रहेगी, दूसरे भोजन की समस्या भी हल्की हो जाएगी।

गांधीजी की धायः गांधीजी की बकरी भी कम बेशक़ीमती नहीं! पहले तो सुनते हैं पड़ोस की कुछ हरिजन माताएँ ही उसके लिए दौड़ें, परंतु सरकार ने रोक लगा दी कि इतनी बेशक़ीमती चीज़ केवल कुछ बच्चों को दूध पिलाने के लिए नहीं दी जा सकती। दूसरे अभी स्वराज का शिशु बहुत छोटा था। उसकी माँ भी सात समुंदर पार चली गई। ऐसी हालत में उसके लिए बापू की बकरी से बढ़कर स्वस्थ दूध किसी का नहीं हो सकता था। बकरी स्वराज्य के पैताने बाँध दी गई।

गांधीजी का चश्माः कमानी वमानी को देखते हुए तो चश्मा मामूली ही मालूम पड़ता था, इसलिए उसकी ओर बड़े लोगों की निगाह ही नहीं गई। सत्य को देखने वाली इस दिव्य दृष्टि का महत्व समझा तो नेहरूजी ने! उन्होंने उसे उबारा ताकि उसके ज़रिए तमाम दुनिया को राह की बातें दिखाई पड़ें। लेकिन सुनते हैं वह उनकी आँखों पर ठीक तरह से बैठ ही नहीं रहा है, इसलिए वह उसे केंद्रीय संग्रहालय को दे देना चाहते हैं।

गांधीजी की घड़ीः नेताओं में तो घड़ी सबके पास और वह भी बेशक़ीमती! इसलिए बापू की घड़ी के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का सवाल उठा ही नहीं। पार्लियामेंट के स्पीकर ने कहा कि इसे मैं पार्लियामेंट भवन में रखना चाहता हूँ। घड़ी ठहरी काल की टुकड़ी! इसी की वजह से ज़माना गांधीजी की टेंट में था। अब उसी के कारण ज़माना हमारी सरकार की टेंट में होगा। पता नहीं क्या बात है कि वह घड़ी उलटी चल रही है और उसी को देखकर सरकार का नारा है कि हम पुराने युग में लौट चलें।

गांधीजी की लाठीः अहिंसा तो लाठी में ही मूर्तिमान हो उठी थी–यही लोगों का कहना है। अँग्रेज़ी ज़माने में सिपाहियों को बंदूक़ें दी गई थीं। जिससे अक्सर ख़ून-ख़राबा हो जाता था। इसलिए सरकार ने गांधीजी की लाठी पुलिस में बँटवा दी, ताकि देश में शांति स्थापित करने के लिए वक्तन-फवक्तन उससे काम लिया जा सके। घोषित किया गया है कि गांधीजी की यही इच्छा थी।

गांधीजी का चरखाः चरख़ा तो गांधीजी का सुदर्शन चक्र ही ठहरा! औरतें उसे लेने के लिए मार करने लगीं तो बिरला जी ने कहा कि इसका सीधा संबंध मिलों से है। बापू की यही इच्छा थी कि अब मिलों की जगह चरख़ा ही चले। बिरला जी का कहना है कि देश में सबके शरीर पर काफ़ी कपड़ा हो गया है, लेकिन यह इतना महीन है कि लोग नंगे दिखाई पड़ते हैं। करामात है चरखे़ की! द्रौपदी की लाज वही बुनता है!

गांधीजी की चप्पलः चरण-पादुका लेकर ही तो भरत ने अयोध्या का राज्य किया था। इसलिए माननीय प्रधानमंत्री ने उस पर अपना अधिकार समझा और उसे सिंहासन पर रखकर राज-काज का दुर्वह भार सँभाला। आख़िर यह काम कर ही कौन सकता था! सबने नतमस्तक होकर स्वीकार किया।

इस तरह गांधीजी की सारी वसीयत लोग बाँट चले। वह तो ठहरे साधु-संत, इन सब चीज़ों के सिवा उनकी अपनी कही जाने वाली चीज़ तो कुछ थी नहीं। आश्रम को भी उन्हीं का समझिए, लेकिन धर्मनिरपेक्ष राज्य ने उस पर दख़ल देना उचित न समझा। इसलिए उसके महंत कुछ दूसरे जन हो गए।

लेकिन इन सबसे भी बड़ी-प्राणों से एकदम-उनकी अपनी एक और चीज़ थी। उसकी ओर किसी का ध्यान नहीं गया। वह थी भारत की कोटि-कोटि जनता। सौत के बेटे की तरह वह धूल में पड़ी थी और उत्तराधिकारियों में से किसी का ध्यान उस ओर नहीं गया। सबकी आँखें सिंहासन की ओर लगी थीं।

जब बापू की सारी वसीयत लेकर लोग चलने लगे तो धूल से भरी हुई धरती के धड़कते हुए दिल से बापू उठे-''और यह धूल-धूसरित जनता? इसे कौन सँभालेगा?'' सरकार ने बिना मुँह फेरे जवाब दिया-''हमीं सब कुछ लें। हमने तो इतना लिया ही। अब कुछ दूसरे बेटे भी सँभालें।'' देखता हूँ तो आज वह वसीयत-सजीव वसीयत-धूल झाड़कर खड़ी हो गई है और कह रही है कि अब अपने को हमीं सँभालेंगे।

(प्रारंभिक रचनाएं से साभार संपादित अंश)

सुप्रभात

दुख से दूर पहुँचकर गाँधी।
सुख से मौन खड़े हो
मरते–खपते इंसानों के
इस भारत में तुम्हीं बड़े हो

जीकर जीवन को अब जीना
नहीं सुलभ है हमको
मरकर जीवन को फिर जीना
सहज सुलभ है तुमको।

– केदारनाथ अग्रवाल

कांग्रेस के राज में दलाल और दामाद हो गए हैं मालामाल

प्रधानमंत्री मोदी बोले-कांग्रेस पार्टी को ठगी की लत लगी, ये सबसे बड़ी दलित

पलवल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस को ठगी की लत लग गई है। उसके राज में दलाल और दामाद मालामाल हुए। कांग्रेस ने हिमाचल में झूठ बोला, अब हरियाणा में झूठे वादे बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये पार्टी दलित विरोधी है। कांग्रेस ने डॉ अंबेडकर को चुनाव में दो-दो बार हरवाया। इन्होंने संसद के सेंट्रल हॉल में उनकी तस्वीर तक नहीं लगने दी। पीएम मोदी ने यह बातें हरियाणा में कहीं। उन्होंने पलवल में नेशनल हाईवे-19 पर गदपुरी टोल प्लाजा के पास चुनाव की आखिरी रैली को संबोधित किया।

हरियाणा के तेज विकास की गारंटी, ये मोदी की गारंटी है

पीएम ने कहा कि ये चुनाव नया इतिहास बनाने का है। ये चुनाव हरियाणा को विकास को नई बुलंदी देने का है। दिल्ली में आपका ये बेटा बैठा है। आप यहां तीसरी बार भाजपा सरकार बनाइए, मैं आज पलवल की धरती पूरे हरियाणा के जागरुक मतदाताओं को आग्रह करता हूं कि आप रिकॉर्ड वोटों से फिर एक बार भाजपा की सरकार बनाइए। हरियाणा के तेज विकास की गारंटी, ये मोदी की गारंटी है।

कांग्रेस दलितों-पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देगी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का सिर्फ और सिर्फ एक ही एजेंडा है वोट के लिए तुष्टिकरण। ज्यादा से ज्यादा तुष्टिकरण। आप देखिए कांग्रेस आज क्या कर रही है। कांग्रेस कहती है कि वह दलितों, पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देगी। कर्नाटक में इन्होंने यही किया है, जैसे ही वहां इनकी सरकार बनी इन्होंने दलितों–पिछड़ों का आरक्षण छीन लिया। कांग्रेस ने इनका आरक्षण धर्म के आधार पर बांट दिया।

बीजेपी सरकार 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रही

पीएम ने कहा कि कांग्रेस यहां एमएसपी को लेकर बड़ी बातें कर रही है, लेकिन कांग्रेस यहां सिर्फ तीन चार फसलों पर एमएसपी देती थी। जबकि बीजेपी की सरकार 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रही है। 1 लाख करोड़ से अधिक रुपए किसानों के खातों में पहुंचे हैं। आज मैं हरियाणा की माताओं, बहनों, बेटियों में भाजपा के प्रति सबसे अधिक उत्साह देख रहा हूं। हरियाणा की बेटियां आज चारों तरफ झंडे गाड़ रही हैं। भाजपा सरकार की हर योजना माताओं, बहनों में नया आत्मविश्वास पैदा कर रही है। आप याद रखिए, वहां इनमें से एक भी वादा लागू नहीं किया। यानी कांग्रेस की नीयत में ही खोट है। कांग्रेस हरियाणा के नौजवानों के हितों के खिलाफ है। यहां बीजेपी ने करीब डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां दी और वह भी बिना पर्ची के।

आधी रात को जेपी नड्डा से मिले संजय राउत!

● महाराष्ट्र की राजनीति होने वाला है जबरदस्त उलटफेर ● वीबीए का दावा-उद्धव ने फडणवीस से की मुलाकात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कुछ ही समय बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उससे पहले वहां की सियासत में हलचल देखने को मिल रही है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना नेताओं के बीच मुलाकात की अटकलें हैं। वंचित बहुजन अघाड़ी ने दावा किया है कि डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच में मीटिंग हुई है। इसके साथ ही पार्टी ने यह भी दावा किया है कि राज्यसभा सांसद संजय राउत भी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से मिले थे। हालांकि, इसे लेकर दोनों ही पार्टियों की तरफ से कोई भी ऑफिशियल बयान नहीं दिया है। वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रवक्ता सिद्धार्थ मोकले की तरफ से एक वीडियो मैसेज जारी किया गया है। इसमें कहा गया कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने 25 जुलाई को रात 2 बजे 7डी मोतीलाल मार्केट में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

स्वच्छता पखवाड़े की उपलब्धियों के परिणाम स्वच्छता सर्वेक्षण में दिखेंगे : मुख्यमंत्री

स्वच्छता ही सेवा–2024 अभियान

अभियान में प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में 42 हजार 500 स्वच्छता गतिविधियाँ हुई

2 लाख 8 हजार 444 सफाई मित्रों–परिजनों की 8 शिविरों में हुई स्वास्थ्य जाँच

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को सवच्छ बनाने के लिए स्वच्छता पखवाड़े में जन भागीदारी के साथ चलाई गई विभिन्न गतिविधियों से बेहतर परिणाम प्राप्त हुए है। इसके परिणाम भविष्य में होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 में भी दिखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन 17 सितम्बर से शुरू हुए स्वच्छता पखवाड़े में पूरे प्रदेश में स्वच्छता के प्रति आम नागरिकों ने जो सहभागिता की, वह जन-आंदोलन बन गया। पखवाड़े का समापन गांधी जयंती 2 अक्टूबर को होगा, जिसमें स्वच्छता संबंधी 685 करोड़ रूपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया जायेगा।

स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगाँठ के मौके पर इस वर्ष ''स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'' थीम पर स्वच्छता अभियान 17 सितम्बर से शुरू हुआ। अभियान में प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में करीब 42 हजार 500 से अधिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इनमें 34 हजार 22 स्वच्छता में जन-भागीदारी, वृहद स्वच्छता अभियान की 2355 और 7 हजार 990 सफाई मित्र सुरक्षा शिविर प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 8 हजार स्वास्थ्य शिविरों में 2 लाख 8 हजार 444 सफाई मित्रों और उनके परिजनों की स्वास्थ्य जाँच की गई। प्रदेश में 968 ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर उनके सुधार और सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया।

मानव श्रृंखला और सफाई मित्रों का सम्मान– स्वच्छता ही सेवा अभियान में स्कूल शिक्षा विभाग और नगरीय प्रशासन विभाग ने मिलकर शालाओं में संवाद कार्यशालाओं का आयोजन किया। इनमें 2 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही सार्वजनिक रूप से सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। प्रदेश की 850 शालाओं में एक लाख 2 हजार 200 से अधिक विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला का निर्माण कर जन-सामान्य को स्वच्छता का संदेश दिया। प्रदेश के नगरीय निकायों में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से 2333 वृहद स्तर पर स्वच्छता अभियान संचालित किये गये, जिसमें लाखों नागरिकों, जन-प्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों की भागीदारी रही। सार्वजनिक कार्यक्रम के जरिये शामिल सदस्यों को शहरों को साफ रखने की शपथ दिलाई गई।

अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई और पॉलीथिन के उपयोग पर रोक

स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान संग्रहित होने वाले कचरे के पृथक्कीकरण के बारे में नागरिकों को समझाइश दी गई। छात्रों एवं युवाओं को प्र-संस्करण इकाइयों का भ्रमण कराया गया। उन्हें कचरे के सुरक्षित निपटान की जानकारी दी गई।

स्वभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता

इस वर्ष का स्वच्छता अभियान का मुख्य विषय ''स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'' रखा गया था। अभियान के दौरान बच्चों को शुरू से ही स्वच्छता की आदत डालने के बारे में बताया गया। बच्चों के पालकों को अपने व्यवहार में स्वच्छता को आत्मसात करने के बारे में बताया गया। शहरी क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, अमृत महोत्सव, कचरा मुक्ति जैसे विषयों पर नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया गया।

मंदिर हो या मस्जिद, सड़क निर्माण में नहीं बन सकते बाधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि सड़क के बीच धार्मिक निर्माण गलत है। चाहे वह मंदिर हो या दरगाह उसे हटाना ही सही होगा।

सार्वजनिक सुरक्षा सबसे पहले है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि कोई भी शख्स आरोपी या दोषी है तो यह डेमोलेश का आधार नहीं हो सकता है। देशभर के लिए गाइडलाइन जारी की जाएंगी। कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। फैसला सुनाए जाने तक बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी ही रहेगी। जस्टिस बीआर गवई ने इस बात पर भी गौर करना होगा कि तोड़फोड़ का आदेश पारित होने से पहले भी एक सीमित समय होना चाहिए।

साल में करीब चार-पांच लाख डिमोलिशन की कार्रवाई होती है। पिछले कुछ सालों का यही आंकड़ा है। बता दें कि जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच अपराध के आरोपी लोगों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश की तरफ से कोर्ट में पेश हुए थे।

बुलडोजर ऐक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी, रोक जारी

जब उनसे यह सवाल किया गया कि क्या आपराधिक मामले में आरोपी होना बुलडोजर एक्शन का सामना करने का आधार हो सकता है। इस पर मेहता ने जवाब दिया कि बिल्कुल भी नहीं। रेप या आतंकवाद जैसे अपराधों के लिए भी नहीं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने आरोप लगाया है कि अल्पसंख्यक समुदाय को टारगेट किया जा रहा है और सरकार को आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने से रोका जाना चाहिए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 02 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सेवानिवृत्त मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुणे में शिव-सृष्टि थीम पार्क का अवलोकन किया।

संक्षिप्त समाचार

गोविंदा के पैर में लगी गोली, रिवॉल्वर रखते वक्त मिसफायर

● एक्टर ने वीडियो मैसेज में कहा-मैं अब ठीक हूं

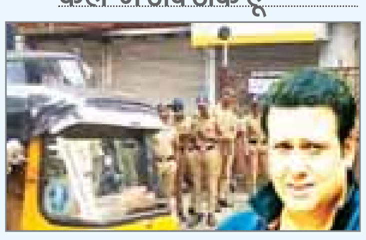

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर गोविंदा (60) पैर में गोली लगने से घायल हो गए हैं। उन्हें खुद की पिस्टल साफ करते हुए मिसफायर से गोली लगी। घटना मंगलवार सुबह करीब 4.45 बजे की है। ऑपरेशन कर उनके पैर से गोली निकाल ली गई है। एक्टर फिलहाल खतरे से बाहर हैं। डीसीपी दीक्षित गेडाम ने बताया कि जिस समय घटना हुई उस समय गोविंदा घर में अकेले थे। उनके पास एक लाइसेंसी रिवॉल्वर है। रिवॉल्वर से गलती से गोली चली, जो उनके पैर पर लगी। इस मामले से जुड़ी कोई शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। मामले में कुछ भी संदिग्ध नहीं है।

मोदी ने इजराइली पीएम नेतन्याहू से की फोन पर बात

● कहा-भारत शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-लेबनान तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार, 30 सितंबर को इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। क्षेत्रीय तनाव को रोकना और सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। भारत शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

थाईलैंड में स्कूल बस में आग, 25 स्टूडेंट्स की मौत

टायर फटने से हुआ हादसा

5 टीचर्स समेत 44 लोग थे सवार

बैंकाक (एजेंसी)। थाईलैंड में एक स्कूल बस में आग लगने से 25 छात्रों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बस में 44 लोग

सवार थे, जिनमें से 16 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल रेस्क्यू वर्कर्स बाकी बच्चों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आग लगने की वजह अब तक सामने नहीं आई है। हालांकि मौके पर मौजूद चश्मदीदों का कहना है कि बस का टायर फटने की वजह से आग लगी।

बदमाशों ने युवक-युवती पर 3 गोलियां चलाईं

युवक के कंधे, युवती की कलाई को छूकर निकली गोली ; रैकी कर हमला

रीवा (नप्र)। रीवा में बदमाशों ने युवक - युवती को निशाना बनाते हुए तीन गोलियां चलाईं। गोली युवक के कंधे और युवती की कलाई को छूकर निकली। जानलेवा हमला मंगलवार दोपहर शहर के बिछिया में पुलिस पेट्रोल पम्प से 200 मीटर दूर चिरहुला मंदिर मार्ग पर हुआ। युवक - युवती मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, गोली युवक की हत्या करने के इरादे से चलाई गई। शहर के हजारी चौक निवासी गोपाल गुप्ता अपनी दोस्त के साथ दोपहर 1 बजे चिरहुला मंदिर दर्शन के लिए गया था। दोपहर 2 बजे दोनों बाइक से वापस लौट रहे थे, तभी हमला हुआ। रैकी के बाद फायरिंग की गई है। सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी, बिछिया थाना प्रभारी भुवनेश्वरी चौहान मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने युवक - युवती की पट्टी कराई, मेडिकल भी कराया।

युवक बोला- हमलावर हमारी हत्या करना चाहते थे

गोपाल के मुताबिक, हम मंदिर से निकलकर 400 मीटर आगे ही पहुंचे होंगे, इतने में दो बाइक तेजी से हमारे पीछे आईं। दोनों बाइक पर दो-दो लोग बैठे थे। कुछ समझ पाते, इसके पहले हमलावरों ने पिस्टल निकालकर फायरिंग करना शुरू कर दी। वे मेरी हत्या करना चाहते थे। मुझ पर तमस बंसल ने गोली चलाई है। सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी, बिछिया थाना प्रभारी भुवनेश्वरी चौहान ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

गोली चलाने वाला आरोपी आदतन अपराधी

तमस बंसल आदतन अपराधी है। वह शहर के बिछिया थाना क्षेत्र के गुढ़ चौराहे का रहने वाला है। उसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज हैं। ज्यादातर मामले मारपीट और लूटपाट से संबंधित हैं। इसके अलावा आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट के मामले भी दर्ज हैं। आरोपी शराब, कोरेक्स और नशीली सामग्रियों की तस्करी जैसे मामलों में शामिल रहा है। इन्हीं मामलों के चलते कई बार जेल जा चुका है।

रंजिश में हुआ जानलेवा हमला

सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपियों की पहचान की जा चुकी है। हम जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे। बिछिया थाने में पीड़ितों के बयान दर्ज करवाए गए हैं। पीड़ित युवक हमलावरों को जानता है। अभी तक की जांच में सामने आया है कि मामला पुरानी रंजिश का है। आगे की छानबीन की जा रही है।

महीने भर पहले हमलावर से हुआ था विवाद

युवक ने साल भर पहले ही कॉलेज की पढ़ाई पूरी की है। पिता किराना की दुकान चलाते हैं। महीने भर पहले युवक की आरोपी से बहस हो गई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच लड़की और प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद है। इसलिए उस समय हमला किया गया, जब युवक और युवती साथ थे।

गोविंदा की बेटी ने महाकाल मंदिर में करवाया महामृत्युंजय जाप

सुबह गोली लगने से घायल हुए थे गोविंदा, 51 पंडितो ने दो घंटे तक किया जाप

उज्जैन (नप्र)। मंगलवार सुबह फिल्म स्टार गोविंदा को गोली लगने की खबर आने के बाद उनके फेन्स उनकी सलामती की प्रार्थना कर रहे थे। इस बीच उज्जैन के महाकाल मंदिर में भी उनकी स्वास्थ्य कामना के लिए महामृत्युंजय जाप किया गया। जिसमें 51 पंडितों ने मिलकर पूजन सम्पन्न करवाया।

महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी रमण गुरू त्रिवेदी के आचार्यत्व में महाकाल मंदिर में महामृत्युंजय जाप दोपहर में महाकाल मंदिर परिसर में किया गया। मंदिर में 51 ब्राह्मण द्वारा गोविंदा के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना गई। रमण गुरू ने बताया कि गोविंदा को गोली लगने की घटना के बाद उनकी पुत्री टीना से बात हुई। अपने पिता गोविंदा की हालत से चिंतित टीना ने बाबा महाकाल से प्रार्थना करने हेतु कहा। मंगलवार को दोपहर 12 बजे से महाकालेश्वर के दरबार में करीब दो घंटे तक महामृत्युंजय का जाप किया गया।

भगवान महाकाल के अनन्य भक्त है गोविंदा - 1986 से गोविंदा लगातार गोविंदा भगवान महाकाल दर्शन के लिए आते रहते है। वे कई बार अपने परिवार के साथ दर्शन के लिए महाकाल मंदिर पहुंच चुके है।

पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर फिर हड़ताल पर

● कहा-सुरक्षा की मांग पर ममता सरकार का रवैया पॉजीटिव नहीं, हम पर अब भी हमले जारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को एक बार फिर हड़ताल कर दी है। राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए पूरी तरह काम बंद कर दिया है। डॉक्टरों की मांग है कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षा दी जाए। डॉक्टर स्वास्थ्य सचिव को उनके पद से हटाने जैसी कई मांगों को लेकर बुधवार को कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला तक एक मार्च भी निकालेंगे। इससे पहले जूनियर डॉक्टर 10 अगस्त से लेकर 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन करते रहे। 21 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी पर वापस आए थे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों की सुरक्षा में कोताही पर ममता सरकार की खिंचाई की और आदेश दिया कि सभी अस्पतालों में 15 दिन में सीसीटीवी लगाए जाएं।

बेहतर स्वच्छता के लिए क्राई ने चलाया अभियान

भोपाल। चाइल्ड राइट्स एंड यू (क्राई) और विकास संवाद समिति द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। इस पहल का उद्देश्य विभिन्न समुदायों में बेहतर स्वच्छता और स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देना था। अभियान ने विशेष रूप से बच्चों के बीच जल, सफाई एवं स्वच्छता यानि वॉश जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया, जो एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देता है। गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे होने जा रहे हैं। यह अभियान महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित है, जो पूरे देश में स्थायी स्वच्छता और साफ-सफाई के तरीकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। अभियान के समापन पर बोलते हुए, क्राई -नॉर्थ की क्षेत्रीय निदेशक सोहा मोइत्रा ने बच्चों के जीवन में वॉश के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, वॉश बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और गरिमा के लिए आवश्यक है। स्वच्छ पानी और स्वच्छता तक पहुंच न केवल उन्हें बीमारी से बचाती है बल्कि स्कूल में उनकी उपस्थिति और भागीदारी भी सुनिश्चित करती है। खराब वॉश सुविधाएं उनके विकास में सीधी बाधा हैं, जिससे बच्चों खासतौर पर लड़कियों कि स्कूलों मे अधिक अनुपस्थिति होती है और उनके विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। स्कूलों और समुदायों में स्थायी वॉश प्रणालियों के निर्माण के लिए संगठनों, समुदायों और स्थानीय शासन के बीच सहयोगात्मक प्रयास महत्वपूर्ण हैं। साथ मिलकर, हम बच्चों को एक सुरक्षित, स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकते हैं। ई की भागीदारी ने (भोपाल ज़िले की 4 बस्तियों) में स्थानीय समुदायों को जुटाया, जहां संगठन ने बेहतर स्वच्छता और सफाई की आदतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता और सहभागिता गतिविधियों का नेतृत्व किया। साथी संस्था विकास संवाद द्वारा भोपाल की 4 बस्तियों में महिलाओं, बच्चों और किशोरियों के साथ स्वयं की स्वच्छता, घर कि स्वच्छता, खाने को साफ़ पानी से पकाने, कपड़ों को धुप में सुखाने, कचरा एक जगह रखने और गाड़ी आने पर उसमें डालना , हाथ धोने के सही तरीकों पर अभ्यास करवाया गया। इसमें महिलाओं और किशोरियों के साथ चर्चा और शपथ ली गयी।

'मीडिया गुरु सम्मान' से अलंकृत हुए प्रो.द्विवेदी

पाली। अखिल भारतीय साहित्य परिषद राजस्थान, कल्पवृक्ष साहित्य सेवा संस्थान एवं वंदेमातरम् शिक्षण समूह पाली के संयुक्त तत्वावधान में पं. विष्णुप्रसाद चतुर्वेदी समृति द्वितीय राष्ट्रीय व्याख्यानमाला एवं साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन पाली में संपन्न हुआ। इस मौके पर भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी को 'राष्ट्रीय मीडिया गुरु सम्मान' से अलंकृत किया गया। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम को मुख्य वक्ता की आसंदी से संबोधित भी किया। कार्यक्रम के संयोजक साहित्य परिषद के प्रांत अध्यक्ष डॉ.अखिलानंद और पवन पाण्डेय ने अतिथियों के प्रति स्वागत और आभार ज्ञापन किया।

कांग्रेस नेता शेर, आरएसएस में दम नहीं

राहुल बोले-ये लोग मुझे देखकर छुप जाते हैं, मैं बीजेपी, मोदी से नफरत नहीं करता

सोनीपत (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दूसरे दिन की हरियाणा विजय संकल्प यात्रा जारी है। यात्रा सुबह करीब साढ़े 11 बजे झज्जर के बहादुरगढ़ से शुरू हुई। जो सोनीपत के 5 हलकों को कवर करते हुए शाम तक गोहाना पहुंचेगी। यात्रा के दौरान सोनीपत में राहुल ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता शेर हैं लेकिन आरएसएस वालों में दम नहीं। ये लोग मुझे देखकर छुप जाते हैं। लोकसभा में भी जब मैं भाषण देता हूं तो पीएम नरेंद्र मोदी निकल जाते हैं। मैं बीजेपी, मोदी से नफरत नहीं करता। राहुल ने पीएम मोदी से पूछा कि गुजरात में अडाणी पोर्ट में ड्रग्स पकड़ी गई, उस पर क्या कार्रवाई की गई, यह हरियाणा की जनता को बताएं। परिवार पहचान पत्र को राहुल गांधी ने परिवार परेशान पत्र बताया।

जितना चाहे मुझे रोक लो, कोई फर्क नहीं पड़ेगा

राहुल ने कहा- ये जितना मुझे रोकना हो तो रोक लो, कोई फर्क नहीं पड़ेगा। क्योंकि वह दिन आएगा, हिंदुस्तान की सरकार मजदूरों, किसानों और गरीबों की सरकार होगी। मेरा मतलब है। मोदी जी इज्जत की बात करते हैं, सम्मान की बात करते हैं। बिना पैसे के इज्जत-सम्मान का मतलब नहीं है। जब उसके जेब में पैसा होगा, तो उसका सम्मान आपको करना ही पड़ेगा। वह हिंदुस्तान चाहता हूं। लड़ाई इसी बात की है। मैंने मन बना लिया है। मैं नोट कर रहा हूं, जितना पैसा नरेंद्र मोदी अडाणी और अंबानी को देगा, उतना ही पैसा हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों, माताओं बहनों को दूंगा। इनको जितना मर्जी नचवाना हो नचवा लो, जब हमारी सरकार आएगी तो इन लोगों को नचवाएंगे।

हरियाणा चुनाव में चंद्रशेखर-दुष्यंत के काफिले पर हमला

उचाना (एजेंसी)। हरियाणा के जींद के उचाना विधानसभा क्षेत्र में सोमवार रात दुष्यंत चौटाला और आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर के रोड शो पर हमला हुआ। युवकों ने हो हल्ला करते हुए पत्थर फेंका, धूल उड़ाई। काफिले में शामिल चंद्रशेखर की कार का पिछला शीशा टूट गया। सूचना मिलने पर उचाना एसपी पवन कुमार भी मौके पर पहुंचे। उनके दुष्यंत के साथ बहस हुई। उचाना में जेजेपी के दुष्यंत चौटाला प्रत्याशी हैं और चंद्रशेखर उनके समर्थन में रोड शो करने आए थे। देर शाम को इनका काफिला उचाना कलां गांव में पहुंचा था। दुष्यंत व चंद्रशेखर रथ पर आगे चल रहे थे। इनकी कारें पीछे काफिले में थी। इसी दौरान यह घटना घटी। बता दें कि जेजेपी और आजाद समाज पार्टी (एएसपी) मिलकर हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव में जेजेपी ने 70 सीटों पर और आजाद समाज पार्टी ने 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। रोड शो को मौके पर रोक दिया गया और दुष्यंत व चंद्रशेखर भी रथ से उतर कर कार्यकर्ताओं के बीच आ गए। कुछ ही देर में पूरे क्षेत्र में सूचना फैल गई कि दुष्यंत के काफिले पर हमला हो गया।

कुंभ मेला पर 100, 200-500 नहीं, चलेंगी पूरी 992 स्पेशल ट्रेन

● रेलवे की बड़ी तैयारी! करोड़ों का बजट, भक्तों को मिलेगी हर सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले कुंभ मेला की तैयारियों में रेल मंत्रालय कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। 2025 में यूपी के प्रयागराज में लगने वाले कुभ मेला में देशभर से लोग पहुंचेगे और ऐसे में रेलवे पर यात्रियों का अतिरिक्त भार पड़ेगा। कुंभ मेले के लिए रेलवे ने 933 करोड़ रुपये का बजट इन्फ्रास्ट्रक्चर और दूसरी सुविधाओं के लिए रखा है। इसके अलावा भारतीय रेलवे 992 स्पेशल ट्रेनों को चलाने की योजना भी बना रही है। बता दें कि 12 जनवरी 2025 से कुंभ मेले की शुरुआत होगी और इसमें करीब 30 से 50 करोड़

भक्तों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। कुंभ में आने वाले तीर्थ यात्रियों को आवाजाही में परेशानी ना हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए रेल मंत्रालय प्रयागराज डिवीजन और इसके आसपास के एरिया में करीब 3700 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे ट्रैक्स को डबल करने पर काम कर रहा है।

देर रात हादसे का शिकार हुए तीन स्टूडेंट

सेज यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट सहित दो गंभीर, भंवरकुआ पुलिस जांच में जुटी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के नवलखा के पास बाइक सवार तीन स्टूडेंट हादसे का शिकार हो गए। सेज यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट सहित दो की हालत गंभीर बनी हुई है। वे अपने दोस्त को छोड़ने एलआईजी जा रहे थे। उन्हें नवलखा चौराहे के नजदीक ट्रक ने चपेट में ले लिया। हादसा सोमवार देर रात 1 बजे हुआ।भंवरकुआ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सड़क हादसे में प्रियाशु,उसका दोस्त आयुष और ओम सड़क हादसे का शिकार हो गए। दोस्त ने बताया कि प्रियांशु और ओम बाइक से आयुष को छोड़ने एलआईजी इलाके में जा रहे थे। इस हादसे में प्रियांशु और आयुष गंभीर घायल हो गए। जबकि ओम को हाथ और पैर में चोट आई है। दोनों गंभीर घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल भेजा गया है। दोस्तों ने बताया कि प्रियांशु सेज यूनिवर्सिटी से डिप्लोमा कर रहा है। वह मूल रूप से बड़गांव का रहने वाला है। वहीं आयुष आईपीएस में कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई कर रहा है। वह धनगांव का रहने वाला है। एक अन्य घायल छात्र ओम इंदौर से निजी कोचिंग कर रहा है। ओम एलआईजी इलाके में रहता है। दोनों दोस्त उसे ही लेकर रात में बाइक से निकले थे।

ट्रक ड्राइवर को चाकू मारा

लूटने के लिए घुसा था, चोइथराम मंडी के सिक्योरिटी गार्ड ने पकड़ा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के चोइथराम मंडी में मंगलवार तड़के ट्रक में चोरी करने घुसे एक चोर ने ड्राइवर और उसके साथी को चाकू मारकर घायल कर दिया। यहां सिक्योरिटी गार्ड ने उसे पकड़ कर राजेन्द्र नगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने ड्राइवर और उसके साथी का मेडिकल परीक्षण कराया है।राजेन्द्र नगर थाने पर चेतन सेन मंगलवार सुबह पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके रिश्तेदार खुमान सिंह (62) पुत्र यदुनाथ सिंह निवासी भीकनगांव खरगोन और लालसिंह (36) पुत्र दरबार आलू प्याज से भरा हुआ ट्रक लेकर यहां आए थे। रात करीब 3 बजे एक युवक चोरी करने के नीयत से ट्रक में चढ़ा था। ट्रक में सोए हुए लालसिंह की नींद खुल गई। उसने चोर को पकड़ लिया। झगड़े में चोर ने लालसिंह को चाकू मार दिया। उसकी आवाज सुनकर खुमानसिंह पहुंचे तो उन पर भी हमला कर दिया। यहां पर चिल्लाने की आवाज पर गार्ड पहुंचे। उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया। जिसे राजेन्द्र नगर पुलिस के सुपुर्द किया गया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

जबरदस्ती दोस्ती करने की कोशिश की, फिर सेल्फी ली

फोटो वायरल करने की धमकी देने लगा, छात्रा ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट लिखाई

इंदौर (एजेंसी)। बीबीए कर रही छात्रा ने उसके दोस्त पर छेड़छाड़, धमकी व मारपीट का केस दर्ज कराया है। छात्रा ने कहा कि आरोपी ने दोस्ती करने के बाद साथ में लिये गए फोटो को वायरल करने की धमकी दी है।भंवरकुआ पुलिस के मुताबिक 20 साल की छात्रा ने बताया कि वह देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी से बीबीए की पढ़ाई कर रही है। 2 साल पहले कॉमन फ्रेंड के माध्यम से अरबाज पठान से दोस्ती हुई। इसके बाद अरबाज जबरदस्ती बात करने की कोशिश करने लगा।एक दो बार मिले तो उसने साथ में सेल्फी ली और कुछ फोटो खींचकर अपने पास रख लिए। सोमवार को यूनिवर्सिटी के इवेंट में अरबाज ने हाथ पकड़ लिया अपने पास खींचने लगा। विरोध किया तो साथ में लिए गए फोटो वायरल करने की धमकी देने लगा। इसके बाद उसने मारपीट कर अश्लील हरकत की।परेशान छात्रा ने भंवरकुआ थाने जाकर आरोपी अरबाज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी।

कॉलेज छात्रा ने बात बंद की घर आकर की मारपीट- द्वारकापुरी में एक कॉलेज छात्रा से घर में घुसकर दोस्त ने मारपीट की। उसे बचाने आए पिता को भी आरोपी ने पीट दिया। दोनों की शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक छात्रा ने अमन कश्यप निवासी घनश्याम दास नगर पर केस दर्ज कराया है। छात्रा ने बताया कि इंस्टाग्राम पर अमन कश्यप से जान पहचान हुई। तीन माह पहले मैंने उससे दोस्ती तोड़ दी। इसके बाद से अमन कॉलेज और कोचिंग जाते समय पीछा करता है। सोमवार रात 9 बजे आरोपी घर आया और गालियां देने लगा। बाहर आई तो हाथापाई करने लगा। पिता बचाव करने आए तो उन्हें मारकर गिरा दिया। धमकी दी कि वह कहीं का भी नहीं छोड़ेगा। फोटो वायरल करने और जान से मारने की धमकी देने लगा। इसके बाद परेशान छात्रा ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी।

200 लोगों ने थाने का किया घेराव

पंप संचालक ने मजदूरों को पीटा आदिवासी नेता पहुंचे तो रिपोर्ट लिखी

इंदौर (एजेंसी)। राऊ इलाके की कॉलोनी में काम कर रहे मजदूरों से एक पंप मालिक व उसके बेटों ने मारपीट कर दी। आरोप है कि घटना की रिपोर्ट थाने वालों ने दर्ज ही नहीं की।

आखिर आदिवासी संगठन को जानकारी लगी तो परिवार सहित 200 लोग सोमवार को थाने पहुंचे। फिर पुलिस ने एस्ट्रोसिटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। पुलिस ने शुभम की शिकायत पर आरोपी माखन मंडले, उसके बेटे, राघव, माधव अन्य साथी राकेश व मनोज के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना 17 सितंबर को लैंडमार्क कॉलोनी में हुई। शुभम ने बताया कि वह और उसके साथी मजदूर टैंक बनाने का काम कर रहे थे। तभी आरोपियों ने जेसीबी पर पथराव कर दिया। फिर ऑपरेटर सोनू को पीटा। महिलाओं को मारने पत्थर ताने। धमकाया कि अब यहां मत दिखना। उधर, रिपोर्ट दर्ज नहीं होने की बात पता चलने पर झाबुआ जिलाध्यक्ष और आदिवासी नेता कमलेश सिंगाड़, नानसिंह भूरिया, पारसिंह खराड़ी और उनकी टीम थाने पहुंची थी।

महिला अपराधों के खिलाफ कांग्रेस बेटी बचाओ अभियान चलाएगी

हर 17 मिनट में एक बच्ची से रेप हो रहा...

जीतू पटवारी ने कहा- एमपी में बच्चियां सुरक्षित नहीं, नशा बिकता है, थाने बंधे हुए हैं

इंदौर/भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को कहा- एमपी में बच्चियों के साथ-साथ बुजुर्ग भी सुरक्षित नहीं हैं। हर 17 मिनट में एक बच्ची से रेप हो रहा है। महिला अपराधों के खिलाफ कांग्रेस तीन चरणों में बेटी बचाओ अभियान चलाएगी। कांग्रेस उपवास करेगी और प्रदेशभर में कैंडल मार्च व मशाल जुलूस निकालेगी। इसकी शुरुआत 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर होगी। जीतू ने कहा- उज्जैन में फुटपाथ पर रेप हुआ। जबलपुर में छात्रवृत्ति के नाम पर 70 बेटियों के वीडियो बना लिए गए। भोपाल, मुरैना, हरदा सहित प्रदेश में कहीं भी महिलाएं और बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं।

कांग्रेस पार्टी ने कई बार सरकार को आगाह किया

पटवारी ने कहा- ट्विटर पर आंदोलन के जरिए सरकार को जगाने की कई बार कोशिश की गई। पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को सुझाव भी दिए, लेकिन हालात में कोई परिवर्तन नहीं आ रहा है। मध्यप्रदेश में हर 17 मिनट में एक बेटी के साथ रेप हो रहा है। अपराधों के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। इसका कारण है प्रदेश में न कर्मचारी पूरे हैं, न पुलिस विभाग में हवलदार और न ही टीआई। पुलिस विभाग के स्ट्रक्चर में 50 प्रतिशत कर्मचारी भी नहीं हैं। जीतू ने कहा कि जिनके पास गृह मंत्रालय है, वह बातें बहुत करते हैं, लेकिन पुलिस विभाग को ऐसे अपराधों को रोकने के लिए जो इक्विपमेंट मिलना चाहिए उसमें हम सबसे पीछे हैं। बिहार से भी पीछे हैं। सबसे नीचे के राज्यों में जिसकी गिनती आती है वह मध्यप्रदेश है।

नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक मुख्यमंत्री से भी मिले थे, हमने चिंता जाहिर की। साथ ही कहा कि सरकार

का दायित्व है कि इसको कंट्रोल करें। इसमें विपक्ष भी सकारात्मक विपक्ष का दायित्व निभाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम कंट्रोल कर रहे हैं, लेकिन कितना होगा यह ईश्वर जाने।

अपराधियों में पुलिस का डर समाप्त हो गया है

पटवारी ने कहा- पुलिस का डर क्यों समाप्त हो गया है, क्योंकि नशा बिकता है। इसमें पुलिस की हिस्सेदारी होती है। थाने बंधे हुए थे। बेरोजगार बच्चा नशा करता है। पटवारी ने कहा- जितनी भी रिसर्च आई हैं, वह यही कहती हैं कि दिनभर बेरोजगार 12 से 14 घंटे सोशल मीडिया और मोबाइल पर व्यस्त हैं और फिर विकृति को आत्मसात करके रिएक्शन दे रहा है। मध्यप्रदेश में महिलाओं से संबंधित एक लाख 40 हजार मामले लंबित हैं। मध्यप्रदेश में 3 साल की बच्ची से लेकर 70 साल की बुजुर्ग भी सुरक्षित नहीं है। लाड़ली बहन को 1200 देंगे और 5000 उसके पति से बिजली का बिल लेंगे तो लाड़ली बहन की सुरक्षा कैसे करेंगे। हर 17 मिनट में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म हो रहा है।

महंत ने दिव्यांग बच्ची का बलात्कार किया

कांग्रेस प्रवक्ता साधना भारती ने कहा, शिवपुरी के थाना कोलारस के एक मंदिर के महंत ने एक दिव्यांग बच्ची का बलात्कार किया। उसे गर्भवती बनाकर छोड़ दिया। बाद में फरार हो गया। इस मामले में जब मैंने एसपी से बात की तो उन्होंने जल्दी कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं, मेघा परमार ने कहा- सरकार ऐसे मामले पर गंभीर नजर नहीं आ रही है।

नवरात्र के आयोजन में ट्रैफिक कैसे संभलेगा? त्योहारी दिनों में 200 कॉलोनी के लोग होंगे परेशान

इंदौर (एजेंसी)। शहर में फिर बिना प्लानिंग, ट्रैफिक डायवर्शन एक और सड़क खोद दी। ये सड़क बंगाली कॉलोनी की है। यहां नगर निगम को नर्मदा की लाइन बिछाना है। कल अचानक जेसीबी और अमला पहुंचा और पूरी सड़क पर खुदाई कर दी। इसके बाद शुरू हुआ जाम लगने का सिलसिला। कालिका माता मंदिर चौराहे से बंगाली कॉलोनी फ्लायओवर तक की पूरी लेन जाम हो गई। लोगों को समझ नहीं आया कि अचानक ये क्या हो गया। वाहन चालक जाम से बचने ब्रजेश्वरी, गोयल नगर की गलियों में घुसे। वहां भी थोड़ी देर में वाहनों की कतार थी। इधर, बंगाली चौराहे की एक लेन का जाम बढ़ते-बढ़ते दूसरी तरफ भी पहुंच गया। टेलीफोन नगर की तरफ से आने वाले वाहन भी बुरी तरह से जाम में उलझे। कनाड़िया से पलासिया की ओर जाने वाली लेन पूरी तरह ब्लॉक हो गई। रात तक पुलिस, स्थानीय व्यापारी जाम खोलने में उलझते रहे। जाम ऐसा लगा कि खुदाई कर रही जेसीबी भी खड़ी की खड़ी रह गई।

पानी की समस्या दूर करना जरूरी, 24 घंटे में ठीक करेंगे : पार्षद

पार्षद प्रणव मंडल के मुताबिक, संचार नगर टंकी से सप्लाय लाइन जोड़ने के लिए खुदाई कर रहे हैं। ठेकेदार को पहले ही बता दिया था कि त्योहार का समय है, काम तेजी से करना। 24 घंटे में पाइप लाइन बिछाने का काम करवा दूंगा। उसके बाद चूरी भी बिछा देंगे। दिक्कत नहीं आएगी।

व्यापारी बोले- कुछ दिन और रुक जाते

बंगाली कॉलोनी में नवरात्र की धूम रहती है। मंगलवार और बुधवार को यहां माताजी की प्रतिमाओं के लिए सैकड़ों वाहन एकत्र होंगे तो दूसरी तरफ जगह-जगह गरबे और स्थापना के आयोजन भी होंगे। सड़क खुदी होने से फिर जाम लगेगा। खुद बंगाली समाज के 2 बड़े कार्यक्रम माता मंदिर व ब्रिज के पास होते हैं। इसमें हजारों लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ये शुरू होंगे, तब क्या हालात बनेंगे? व्यापारियों का कहना है कि दो-तीन दिन में काम पूरा हो गया तो भी सड़क की हालत तो बुरी हो ही जाएगी। एकदम निगम पैचवर्क नहीं करता। कई दिनों तक कीचड़, मिट्टी और आने-जाने की परेशानी से जूझना पड़ेगा। नवरात्र के दौरान परेशानी होना तय है।

कांग्रेस ने गड्ढे वाली सड़क पर पानी में बैठकर प्रदर्शन किया

सड़क पर गड्ढों का कांग्रेस ने अनूठे तरीके से विरोध किया। सोमवार सुबह वार्ड 45 की कांग्रेस पार्षद सोनाली मिमरोट और वार्ड 46 की पार्षद शेफू वर्मा कार्यकर्ताओं और रहवासियों के साथ मुख्य सड़क पर पहुंचीं। कीचड़, पानी में बैठकर आरोप लगाया कि सालभर से सड़क निर्माण का सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है। भाजपा की परिषद भेदभाव कर रही है।कांग्रेस के आरोप पर जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि सभी वार्डों में समान रूप से काम किए जा रहे हैं। पैचवर्क की पूरी तैयारी हो चुकी है। जिस सड़क की बात कही जा रही है, उसके लिए 10 करोड़ मंजूर हुए थे।

चीफ जस्टिस बनने के बाद पहली बार इंदौर आए जस्टिस सुरेश कुमार कैत

अभिभाषक संघ से मिले,कहा वकील व जज की मुलाकातों को गलत न समझा जाए

इंदौर (एजेंसी)। मप्र हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बनने के बाद पहली बार इंदौर आए जस्टिस सुरेश कुमार कैत सोमवार शाम इंदौर अभिभाषक

संघ के सदस्यों से मिलने पहुंचे। वहां उन्होंने वकीलों को संबोधित भी किया। कुछ किस्से भी सुनाए। ऐसे ही एक किस्से का जिक्र करते हुए उन्होंने पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के एक जज का उदाहरण दिया। वे बोले कि एक जज को वकीलों ने मेल-मुलाकात के लिए बुलाया। जज साहब गए भी। जलपान वगैरह भी किया, लेकिन अगले दिन उन्हीं वकील साहब का केस उन जज के समक्ष लगा।जज ने कहा कि शाम को आपसे मिला, जलपान भी किया, लेकिन आपके केस में कोई दम नहीं है। यह निरस्त किया जाता है। मेल-मुलाकातों को गलत नहीं समझा जाए। उन्होंने कहा कि मेरा जिला एवं सत्र न्यायालय से बड़ा लगाव रहा है।मैंने वहीं से काम शुरू किया था। ग्रेजुएशन करने के बाद मैंने स्ट्रीम में प्रयास किए थे। राजनीति शास्त्र और एलएलबी। एक अन्य वाकया सुनाते हुए वे बोले- मैं अपने एक परिचित के साथ एक वकील से मिलने गया था। वकील अकेले बैठे थे। फाइलें इधर-उधर थीं। बहुत सारी किताबें रखी हुई थीं।मुझे लगा कि यह सब पढ़ना होती होंगी। मैंने पीजी के लिए राजनीति शास्त्र को चुना, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। बाद में मैंने दिल्ली से एलएलबी किया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बीपी शर्मा ने उनका सम्मान किया।

वरिष्ठ अब मार्गदर्शक बनें- चीफ जस्टिस बोले कि मुझे बताया कि मौजूदा अध्यक्ष कई सालों से विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। मेरा निजी मानना है कि अब मार्गदर्शक मंडल में आएं और नए लोगों को अवसर दें।

इंदौर में सितंबर का आखिरी दिन सूखा बीता

कमजोर सिस्टम से अब तेज बारिश के आसार नहीं, आज हो सकती है बूंदाबांदी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में 30 सितम्बर को तारीख के लिहाज से बारिश का सीजन बीत गया। इस दौरान दिनभर बारिश नहीं हुई। खास बात यह कि इस बार सितम्बर के आखिरी हफ्ते में आधा-एक इंच बारिश होती रही जिससे सीजन की बारिश का आंकड़ा 35.5 इंच तक पहुंच गया। हालांकि यह आंकड़ा औसत बारिश के आंकड़े से ढाई इंच कम है। फिलहाल स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं होने से अब बारिश थमने के आसार हैं। बुधवार को कहीं-कहीं रिमझिम हो सकती है। अब अक्टूबर माह में जो बारिश होगी वह इस सीजन के रिकॉर्ड में नहीं होगी। इस बार जून और जुलाई में कम हुई बारिश ने इंदौरियों को चिंता में डाल दिया था, लेकिन अगस्त-सितम्बर ने काफी कुछ भरपाई कर दी।

इस सीजन में तालाबों का स्तर अभी ठीक है जबकि सोयाबीन की फसलों का उत्पादन भी अच्छा हुआ है। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती के मुताबिक बारिश कराने वाला सिस्टम अब जल्द थम जाएगा। ऐसे में तेज धूप निकलने का अनुमान है। इस बार जून माह की बारिश की बात करें तो माह का औसत कोटा 6 इंच का है जबकि इस बार 4 इंच ही बारिश हुई। जून में सबसे ज्यादा तापमान 1 जून को 40.6 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। रात का सबसे ज्यादा तापमान 6 जून को 28.6 (+3) डिग्री

सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। जुलाई का औसत कोटा 12 इंच का है जबकि इस बार करीब 10 इंच बारिश हुई। इस माह सबसे ज्यादा बारिश 13 और 28 जुलाई को ढाई-ढाई इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। इस तरह जून और जुलाई में कोटे से 2-2 इंच कम बारिश हुई।अगस्त माह का औसत कोटा सवा दस इंच का है। इस बार 15 इंच से ज्यादा बारिश हुई। इस माह सबसे ज्यादा बारिश 23 अगस्त को साढ़े पांच इंच बारिश हुई। इससे शहर तर हो गया था। 20 अगस्त को 2 इंच बारिश हुई थी। इस तरह अगस्त माह बारिश के लिहाज से सरप्लस रहा।सितम्बर का औसत कोटा करीब 7 इंच है, जबकि इस माह 6 इंच बारिश हुई। इस बार पहले दिन 1 इंच बारिश हुई थी। इसके बाद 24 घंटों में आधा इंच भी बारिश नहीं हुई। फिर 23 सितम्बर से रोज रुक-रुककर हो रही बारिश सहित 6 इंच बारिश हुई। यह बारिश माह के कोटे से 1 इंच कम है।

हाई कोर्ट ने पुलिस से पूछा

आम लोग जब थानों में आवेदन देते हैं तो उन पर क्या कार्रवाई की जाती है

इंदौर (एजेंसी)। हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर शासन को नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि आम लोग पुलिस थानों में जो आवेदन देते हैं, उनका क्या किया जाता है। कितने दिन में जवाब दे दिया जाता है। कितने आवेदन थानों में लंबित हैं।हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत, जस्टिस विवेक रूसिया की खंडपीठ के समक्ष इस जनहित याचिका की सुनवाई हुई। व्हिसल ब्लोअर अभय चोपड़ा ने यह जनहित याचिका दायर की है। इसमें उल्लेख किया है कि विधानसभा में भी थानों में लंबित आवेदनों का मामला उठा था।

उज्जैन संभाग के कई जिलों के करीब 14 हजार आवेदन थानों में लंबित होना बताया है।यह स्थिति इंदौर सहित प्रदेश के सभी पुलिस थानों की है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा थानों में दिए जाने वाले आवेदनों का 15 दिन में निराकरण किए जाने के आदेश दे रखे हैं, लेकिन इसका प्रदेश में कहीं पालन नहीं हो रहा है। अलबत्ता थानों में लोगों के आवेदन ही कई बार स्वीकार नहीं किए जाते हैं। बाले-बाले समझौता कराने का प्रयास किया जाता है। आवेदन दिए जाने के बाद भी लोगों को महीनों तक चक्कर लगाने पड़ते हैं। इस समस्या के लिए आयोग गठित किया जाना चाहिए जिसके समक्ष लंबित आवेदनों का मसला रखा जा सके। डिविजन बेंच ने

सुनवाई के बाद नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के लिए कहा है।

प्रिंसिपल को जला दिया क्योंकि आवेदन थाने में पड़े रहे

बीएम फॉर्मेसी कॉलेज की प्रिंसिपल विमुक्ता शर्मा को छात्र आशुतोष श्रीवास्तव ने 20 फरवरी 2023 को कॉलेज परिसर में ही पेट्रोल डाल कर जला दिया था। छात्र के आक्रामक रवैये को लेकर कॉलेज ने पहले 14 फरवरी 2022 को, फिर 28 फरवरी 2022 और 6 सितंबर 2022 को सिमरोल थाने में आवेदन दिए थे। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

गरबा एंट्री के विवादित बयान से पीछे हटे बीजेपी जिलाध्यक्ष

इंदौर में बोले; यह मेरा निजी मत; कांग्रेस ने विवाद का रूप दिया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर बीजेपी जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा अपने कल दिए हुए बयान 'गोमूत्र पिलाकर गरबा पंडाल में एंट्री' से पीछे हट गए है। जिलाध्यक्ष वर्मा ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा की यह मेरा निजी मत था। जिसे कांग्रेस ने वाद विवाद का रूप दे दिया है।

जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने अपने विवादित बयान पर सफाई देते हुए कहा कि कल मैंने बहुत पवित्र मन के साथ बहुत पवित्र बात को व्यक्त किया था। लेकिन कांग्रेस के लोगों ने एक विवाद का रूप दे दिया। मेरा ऐसा मानना है की सबकी अपनी अपनी धार्मिक मान्यताएं रहती है। भारत सर्व धर्म समभाव वाला देश है। मेरे व्यक्तिगत विचार किसी प्रकार के ऐसे नहीं थे की कहीं कोई अनिवार्यता हो या कहीं किसी प्रकार के प्रतिबंध जैसे विचार नहीं था। हम सनातन संस्कृति के है और

ऋषि मुनियों के समय से अनादिकाल से परम्परा चली आ रही है आज भी हम उन चीजों का पालन करते है। जो मेरा व्यक्तिगत विचार था उसको किसी प्रकार के विवाद का रूप नहीं देना चाहिए। वह पवित्र विचार था जो हमारी आस्था के साथ जुड़ा हुआ था जो मैंने साझा किया था।

वर्मा ने कहा था- सभी को प्रसाद के रूप में गो मूत्र दिया जाए

भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा- गरबा माता की आराधना का पर्व है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसमें शामिल होना चाहिए। माता की आराधना हमारी बहन और बेटियां करती हैं। समय-समय पर ऐसी चर्चा आती रहती हैं कि कुछ लोग ऐसे शामिल हो जाते हैं, जिन्हें लेकर चर्चा हो जाती है। इसलिए मेरा तो ऐसा मानना है और मैं सबसे अपील भी करना चाहूंगा कि हम पंडालों में प्रसाद वितरण करते हैं, तो गो माता जो हमारी माता है, गो मूत्र हम पीते है, उसे प्रसाद स्वरूप सभी को देना चाहिए।

वीडी शर्मा बोले- यह संगठन का विचार नहीं

इधर, भाजपा इंदौर जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा के गो-मूत्र वाले बयान से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने अनभिज्ञता जताई थी। उन्होंने जबलपुर में मीडिया के सवाल पर कहा कि अब देखो, ये तो ऐसा है कि अपने-अपने विचार होते हैं, लोग क्या-क्या कहते रहते हैं। ये कोई संगठन का विचार नहीं है।

संपादकीय

वंशवाद या सियासी मोर्चाबंदी ?

तमिलनाडु में मुख्ययमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा अपने ही बेटे व राज्य में मंत्री उदयनिधि के डिप्टी सीएम बनाना भले ही वंशवाद का परिचायक हो, लेकिन इसके पीछे राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के रूप में भी देखा जाना चाहिए। स्टालिन 2009 में डिप्टी सीएम बनाए गए थे और उनके पिता करूणानिधि तक सीएम थे। इस मायने में तमिलनाडु में इतिहास खुद को दोहरा रहा है। उदयनिधि युवा चेहरा होने के साथ-साथ अपने विवादित बयानों और नास्तिकता के लिए भी जाने जाते हैं। सनातन धर्म के खिलाफ उनके बयान पर पूरे देश भर में हो हल्ला मचा था और बीजेपी ने खुद को कट्टर सनातनी होने के रूप में पेश किया था। भारी विरोध के बाद भी उदयनिधि अपनी बात पर कायम रहे। हालांकि यह बयान भी एक प्रायोजित रणनीति का हिस्सा था। वैसे सत्तारूढ़ डीएमके में इस तरह का परिवारवाद कोई नई बात नहीं है। डीएमके नेता एम करूणानिधि की तीन बीवियां थीं और पांच बच्चे हैं। इनमें स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी बनाने के बाद बाकी चारों ने बगावत सी कर दी थी। जिसे किसी तरह संभाला गया। अब स्टालिन ने भी बेटे की ताज पोशी करके संदेश दे दिया है कि राज्य में अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। हालांकि स्टालिन की एक बेटी सेंथियाकुमारी भी है, लेकिन वह शायद अभी राजनीति में ज्यादा सक्रिय नहीं है। परिवारवाद से हटकर उदयनिधि की ताजपोशी के राजनीतिक मायने ज्यादा हैं। स्टालिन की पूरी कोशिश है कि डीएमके 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में फिर सत्ता में लौटे। स्टालिन खुद 51 साल के हैं। इसलिए अपना उत्तराधिकारी खुद तैयार कर रहे हैं। उदयनिधि युवा हैं, लेकिन राज्य में दो युवा नेता और राजनीति में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पहले तो पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्ना मलाई हैं, जिन्होंने अपनी आक्रामक राजनीति से राज्य में भाजपा को मजबूत किया है। यही कारण है कि इस साल हुए लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में भाजपा कोई सीट तो नहीं जीत सकी, लेकिन 12 लोकसभा सीटों पर वह नंबर दो रही तथा उसका वोट शेयर भी बढ़कर 11.24 प्रतिशत हो गया। इसका सीधा अर्थ यह है कि धीरे धीरे तमिलनाडु में भी बीजेपी बड़ी राजनीतिक चुनौती बन रही है। इसका मुकाबला करने के लिए डीएमके को युवा और दमदार चेहरे की जरूरत है। उदयनिधि के लिए दूसरी चुनौती लोकप्रिय तमिल अभिनेता, गायक थलपति विजय हैं, जो अब राजनीति में कूद गए हैं। विजय ने इसी साल अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कषघम (टीवीके) बनाई है। विजय भी जल्द राजनीतिक चुनौती बन सकते हैं। जाहिर है कि उदयनिधि को अपने इन समकालीनों का राजनीतिक मुकाबला करने के लिए तैयार किया जा रहा है। वैसे अभी तक राज्य में एआईएडीएमके को ही मुख्य विपक्षी पार्टी माना जाता रहा है। लेकिन जे. जयललिता की मौत के बाद पार्टी सक्षम नेतृत्व की कमी से जूझ रही है। हालांकि लोकसभा चुनाव में उसे 23 फीसदी वोट मिले थे। अगर वो भाजपा के साथ मिलकर लड़ती तो शायद कुछ सीटें जीत सकती थीं। दरसअल सीएम स्टालिन ने संभावित राजनीतिक चुनौतियों को भांप लिया है, इसीलिए बेटे को आगे बढ़ाया है। यही नहीं, उन्होंने उदयनिधि के साथ 4 दलितों को भी मंत्री बनाया है। शपथ लेने वालों में वो सेंथिल बालाजी भी शामिल हैं, जिन्हें हाल में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी है। सेंथिल की अपने क्षेत्र में अच्छी पकड़ बताई जाती है। कुल मिलाकर स्टालिन सामाजिक न्याय के हिसाब से भी काम कर रहे हैं ताकि डीएमके की जनता पर पकड़ मजबूत रहे। बहरहाल उदयनिधि पिता और पार्टी की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरेंगे, यह देखने की बात है।

नजरिया

चित्रा माली
सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता

विचार और कर्म की एकता के गांधी

जवाहरलाल नेहरू के लिए गांधी की पारिभाषिक छवि यह थी, 'मैंने उन्हें 1930 में हाथ में लाठी लिए दांडी से नमक यात्रा पर निकलते देखा । यह सत्य की खोज में निकला एक तीर्थयात्री था, खामोश,शांतिप्रिय, दृढ़ निश्चयी और निर्भीक, जो अपनी खोज और अपनी तीर्थयात्रा जारी रखने वाला था, भले ही इसका नतीजा कुछ भी क्यों न हो'। दक्षिण अफ्रीका से शुरू सत्य की इस खोज ने गांधी को अपनी मृत्यु के लगातार समीप लेते जाने का कार्य किया । जिसे गांधी जानते थे और फिर भी वे निर्भीक हो अपनी मृत्यु का अनवरत वरण करते रहे। राममनोहर लोहिया ने अपने एक साक्षात्कार में कहा था कि इस देश को एक रखने वाली दो ही ताकतें हैं, एक गांधी और दूसरी फिल्में। यह गलत भी नहीं है कि फिल्में भी ऐसा माध्यम रही हैं जहां थियेटर में हर जाति,हर धर्म,हर वर्ग के लोगों को एक साथ, एक जगह देखा जा सकता है,जैसे स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए गांधी के आंदोलनों में देखा जाता था । देश की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने गांधी जी के लिए कहा था कि 'गांधी जी के शब्दों से ज्यादा उनका जीवन उनका संदेश है'। गांधी जी ने भी कई अवसरों पर यह कहा भी है कि मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। उन्होंने अपने नजदीकी सहयोगी से यह भी कहा था कि मुझे समझने के लिए मुझे मेरी सतत क्रियाशीलता के बीच देखना होगा । गांधी उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष के सर्वप्रमुख नेता होने के साथ-साथ भारतीय राष्ट्र राज्य के संस्थापकों में से भी एक थे। आधुनिक राजनीति में सत्य,अहिंसा,अपरिग्रह,सेवा, स्वदेशी, सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा, ट्रस्टीशिप,सर्वोदय और अंत्योदय जैसी अवधारणाओं के समावेश के लिए भी विश्वविख्यात हैं। गांधी के सभ्यता विमर्श ने कई ऐसे बिंदुओं को उजागर किया जिससे गांधी की मानवीय संवेदना और यंत्रों पर मानव की निर्भरता तथा यंत्रों की सीमाओं को भी देखा जा सकता है। आधुनिक पश्चिमी सभ्यता विमर्श के अन्य पहलुओं को समझने लिए गांधी की पुस्तक 'हिन्द स्वराज्य' को पढ़ा जा सकता है । गांधी को जानने समझने की कोई स्पष्ट दृष्टि अभी तक विकसित नहीं हो पाई है क्योंकि कि हमें दो ही रंगों (ब्लैक एंड व्हाइट) में देखने की आदत है या कहें हमारी यही दृष्टि अभी तक बन पाई है,पहले वर्ग में हम गांधी के अनुयायियों को देखते है जो गांधी के किसी भी विचार पर प्रश्न करने से डरते हैं या जो प्रश्न करते हैं उन्हें वे गांधी का आलोचक समझते हैं। गांधी स्वयं अपना कोई अनुयायी नहीं बनाना चाहते थे और ना ही वे इस तरह की परंपरा में यकीन करते थे। गांधी ने अपना उत्तराधिकारी भी नेहरू को चुना था जो गांधी के हर निर्णय पर सवाल करते थे,तर्क करते थे।

गांधी ने किसी ऐसे अनुयायी को नहीं चुना जो महज उनकी बातों को माने और कोई सवाल न करें। दूसरा वर्ग आलोचकों का है जो सिर्फ गांधी की आलोचना करने के लिए आलोचना करते है और कई बार कुतर्कों का भी सहारा लेते है। गांधी के विचारों की आलोचना रजनीश (ओशो) की किताब 'अस्वीकृत में उठा हाथ' में की गई है लेकिन यह किताब आपको गांधी विचारों के और नजदीक ले जाती है और गांधी को, गांधी विचारों को पूर्वाग्रहों से मुक्त जानने समझने की दृष्टि भी विकसित करती है। इन दिनों गांधी को और उनके संदेशों को भारत से बाहर कहीं बेहतर सुना जा रहा है और याद भी दिलाया जा रहा है कि भारत की पहचान गांधी है। गांधी और भारत एक दूसरे के पर्याय है जिससे कई बार लोगों को अगाध प्रेम स्नेह महज इसलिए मिलता रहा है कि वे गांधी के देश से आए हैं। गांधी के आदर्श और मूल्य ही विश्व को बचाने के लिए आवश्यक हैं, इसका जिक्र अंतरराष्ट्रीय मंचों से लगातार होता रहा है। गांधी के जन्मदिन को पूरे विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाना इसका प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय फलक पर देखें तो गांधी के जीवनकाल में उनका प्रभाव भारत तक सीमित रहा लेकिन देहत्याग के बाद वे सच्चे अर्थों में विश्व नागरिक बनकर विश्व के लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने और लोकतांत्रिक आंदोलनों को प्रेरणा देते रहे हैं। नेल्सन मंडेला ने गांधी के बारे में कहा था कि 'भारत गांधी को जन्म देने वाला देश है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका वह देश है जिसे उन्होंने स्वयं अंगीकार किया था। वे भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही देश के नागरिक थे। उनकी बौद्धिक और नैतिक मेधा में दोनों ही देशों का योगदान था और इन दोनों ही औपनिवेशिक क्षेत्रों में उन्होंने स्वतंत्रता प्राप्ति के आंदोलनों को आकार प्रदान किया'। गांधी के आर्थिक सिद्धान्तों से भी नेल्सन मंडेला प्रभावित थे उनका मानना था कि 'आत्मनिर्भरता पर गांधी का जोर एक ऐसा बुनियादी आर्थिक सिद्धांत है जिसका अनुसरण यदि आज हम करें तो तीसरी दुनिया से भुखमरी मिटाने और विकास को गति प्रदान करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है'। अमेरिकी शांतिवादी मार्टिन लूथर किंग जूनियर के पुत्र और अमेरिका में नागरिक अधिकारों के संगठन सर्दन क्रिश्चियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मार्टिन लूथर किंग तृतीय गांधी जी के बारे में लिखते है कि गांधी प्रतीकात्मकता के विशेषज्ञ थे और मेरे पिता उनके योग्य शिष्य बने। गांधी की तरह मेरे पिता भी जानते थे कि इंसानी लगाव एक सार्वभौमिक चीज है। एक अकेले आदमी की कार्यवाही भी यदि मानव आत्मा के भीतर मौजूद सत्य और अहिंसा की धारणा को संबोधित कर सकें तो यह बहुत सारे लोगों में सक्रियता का संचार कर सकती है । अरब सागर पहुंचने के बाद गांधी पानी में घुसे और वहां से एक मुट्ठी नमक उठा लिया,जो कि एक गैर कानूनी कार्यवाही थी । सविनय अवज्ञा की यह कार्यवाही एक कमजोर हाथ द्वारा नमक उठा लिया जाना - ब्रिटिश शासन से भारत मुक्ति के लिए उठी क्रांति की चिंगारी को भड़का गई। मार्टिन लूथर किंग जूनियर और अमेरिकी नागरिक आंदोलन का सबसे सहवर्ती कोई शब्द अगर है तो वह 'मार्च' है । चाहे वह 1963 का विख्यात वाशिंगटन मार्च हो या 1965 का सेल्मा से मांटगोमरी, अलबामा मार्च, ये दोनों ही जनता की हाहाकार का मूर्त रूप बन गए थे। वे कहते हैं कि मुझे विश्वास है कि मेरे पिता गांधी द्वारा किए गए दांडी मार्च के आश्चर्यजनक परिणामों और उनकी सविनय अवज्ञा की शक्ति से प्रभावित थे। दांडी मार्च (सविनय अवज्ञा) के ढाई दशक बाद एक अफ्रीकी अमेरिकी दर्जिन रोजा पार्क ने मांटगोमरी की एक बस में एक गोरे आदमी के लिए अपनी सीट खाली करने और पीछे जाकर बैठने से मना कर दिया । रोजा पार्क द्वारा की गई सविनय अवज्ञा की इस साधारण सी कार्यवाही ने मांटगोमरी बस बॉयकॉट आंदोलन को हवा दे दी,जिसका नेतृत्व बहुत ही कम उम्र के मार्टिन लूथर किंग जूनियर कर रहे थे । इसी आंदोलन ने उन्हें इतिहास के अपने खास मुकाम तक पहुंचा दिया था। गांधी के अभियानों की जानकारी के आधार पर किंग ने सविनय अवज्ञा की कई गतिविधियां संचालित की और इस तरह अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन का जन्म हुआ। इस आंदोलन ने अंततः अफ्रीकी अमरीकियों को उनके अपने देश में ही दोहरी नागरिकता की स्थिति से मुक्त कर दिया। ये सब गांधी के सिद्धांतों पर प्रतिबद्धता के चलते ही संभव हो पाया। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गांधी आज भी अपने विचारों से जिंदा है। जिस तरह से विदेशों में गांधी स्मारकों,प्रतिमाओं की अधिक संख्या है तथा उनका संरक्षण है वह कहीं न कही गांधी विचारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है। लेकिन आज गांधी अपने ही घर में बेगाने से लगते है। क्योंकि हमने गांधी को जन्मतिथि और पुण्यतिथि के आयोजनों की रस्म अदायगी तक सीमित कर प्रतिमाओं और तस्वीरों में कैद कर रख दिया है, जिनका गांधी के विचारों,सिद्धांतों,आदर्शों से कोई लेना देना नहीं है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद स्वतंत्र भारत में गांधी का पहला जन्मदिन था जिसका आयोजन किया जा रहा था लेकिन गांधी ने उस वर्ष अपना जन्मदिन नहीं मनाया क्योंकि तब देश में सांप्रदायिक हिंसा अपने चरम पर थी और जिस तरह का सद्भावपूर्ण भारत गांधी चाहते थे,वह नहीं था,ये गांधी की अपने लोगों के प्रति प्रतिबद्धता थी । आज जब हम गांधी जी का जन्मदिन मना रहे हैं तो यह दिन इस बात का आत्मविश्लेषण करने का दिन भी है कि जिन प्रतीकों से हम गांधी जी के जन्मदिन का आयोजन कर रहे है वो गांधी के गांधी विचारों के कितने करीब है या उससे अंतिम व्यक्ति का क्या हित होगा।

गांधी जयंती पर विशेष

अवनीश सोमकुवर
लेखक उपसंचालक जनसंपर्क मध्यप्रदेश

कैसे निर्मित हुई गांधीजी की विचार-संपदा ?

गांधीजी 20वीं शताब्दी के ऐसे महापुरुष हैं जिन्होंने अनुशासनबद्ध आचार-विचार और उच्च नैतिक मूल्यों के साथ जीवन को उसकी समग्रता में जीना सिखाया। वे मनुष्य की आंतरिक शुद्धि चाहते थे और मानते थे कि शुद्ध होने का 'व्यक्तिगत प्रयत्न करने की शक्ति तो सत्यनारायण ने सबको जन्म से ही दी है।' गांधीजी जानते थे कि 'शुद्धि का मार्ग कठिन है।' उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि- 'शुद्ध बनने का अर्थ है मन से, वचन से और काया से निर्विकार बनना। रागद्वेष आदि से रहित होना।' इसीलिये उन्होंने 'शून्यवत्' बनने पर आग्रहपूर्वक बल दिया। जीवन के गहरे अनुभवों और गंभीर विचारों को इतनी बोधगम्यता के साथ अभिव्यक्त करने में गांधीजी निष्णात थे। उनके सहज संप्रेषण का एक मात्र कारण उनका गंभीर अध्ययन था। पुस्तकों ने उन्हें वैचारिक सम्पूर्णता प्रदान की। गांधीजी ने अपने जीवन में कई पुस्तकों का गहरा अध्ययन किया। उनके सुदृढ़, पारदर्शी और विचारशील व्यक्तित्व के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

विलायत में शुरूआती दिनों में गांधीजी ने शाकाहार पर कई किताबें पढ़ीं। वे अपनी मां को मांसाहार न करने का वचन दे चुके थे। उनके मित्र जनसे मांसाहार और मदिरापान करने का लगातार आग्रह करते थे। गांधीजी आत्मकथा पढ़कर आसानी से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने मित्रों और सहपाठियों को मांसाहार न करने के वैज्ञानिक तर्क देने के लिये शाकाहार पर किताबें पढ़ना शुरू किया। उन्होंने फेरिंग्टन स्ट्रीट से हेनरी साल्ट की किताब 'प्लेस फार वेजेटेरियनिज्म' खरीदी। उन्होंने लिखा कि 'इस पुस्तक को पढ़ने के दिन से मैं स्वेच्छापूर्वक अर्थात् विचारपूर्वक अन्न आहार में विश्वास करने लगा।' दरअसल साल्ट की इस किताब ने गांधीजी के मन में आहार के विषय में जानने की जिज्ञासा पैदा कर दी थी। इसके बाद उन्होंने हावर्ड विलियम्स की किताब 'आहार नीति' (एथिक्स ऑफ डाइट) पढ़ी, जिसमें अलग-अलग युगों के ज्ञानियों, अवतारों और पैगम्बरों के आहार और आहार के संबंध में उनके विचारों की चर्चा की गई है। वे इसके लेखक से भी व्यक्तिगत रूप से मिले। डॉ. एना किंग्सफोर्ड की किताब 'द परफेक्ट वे इन डाइट' (उत्तम आहार की रीति) को गांधीजी ने 'आकर्षक पुस्तक' कहा। इसके अलावा वे डॉ. एलियन्स के लेखों से भी प्रभावित थे जिनमें केवल आहार में परिवर्तन कर रोगियों को रोग मुक्त करने की पद्धति की वकालत की गई है। स्पष्ट है कि शाकाहार के संबंध में उन्होंने जो पढा उस पर वे अंतिम समय पर अमल करते रहे। एडाल्फ जूस्ट की किताब 'रिटर्न टू नेचर ने उनके प्राकृतिक चिकित्सा में विश्वास को और गहरा कर दिया था। उन्होंने स्वयं लिखा है कि 'जो थोडी पुस्तकें मैं पढ़ पाया हूँ कहा जा सकता है कि उन्हें मैं ठीक से आत्मसात कर सका हूँ।'

गांधीजी धार्मिक स्वभाव के व्यक्ति थे। उन पर माता के पूजा-पाठ, उपवास, वैष्णव धर्म के कठोर अनुशासन, महाभारत और रामायण पाठ का गहरा प्रभाव पड़ा, लेकिन उनकी धार्मिक चेतना किताबों ने ही जाग्रत की। धार्मिक विचारों और विभिन्न धर्मों के सात तत्व पर मंथन करन की प्रक्रिया में कई किताबें सहायक सिद्ध हुई। एडविन आर्नल्ड के 'गीता', 'अनुवाद' और 'बुद्ध चरित्र' ने गांधीजी के धार्मिक चिंतन को आंदोलित कर दिया था। 'बाइबिल' पहले उन्हें नीरस लगी लेकिन ईसा के वचनों का उन पर गहरा

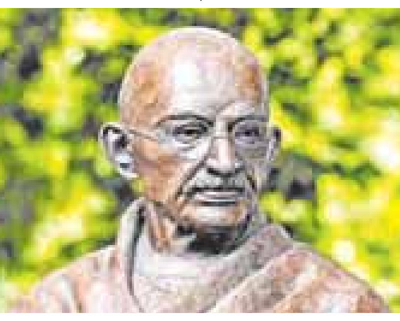

प्रभाव पड़ा। 'तो मुझसे कुर्ता मांगे उसे अंगरखा भी दे दो' जैसे आदर्श वचनों को तो उन्होंने अपना उद्देश्य बना लिया था। ईसाई धर्म पर उन्होंने कोई 80 किताबें पढ़ी। 'कुरान' को समझने के लिये उन्होंने हेनरी सेल अनुदित कुरान खरीद कर पढ़ा और थामस कार्लाइल की 'हीरोज एण्ड हीरो वर्शिप' (विभूतियां और विभूति पूजा) से पैगंबर हज़रत मोहम्मद की महानता, वीरता और तपश्चर्या को समझा। शिबली की 'लाइफ ऑफ द प्रोफेट', 'अमीर अली' की 'द स्पिरिट ऑफ इस्लाम' का गहन अध्ययन किया। हजरत मोहम्मद के व्यक्तित्व और जीवन दर्शन को समझने में वाशिंगटन इरविंग कृत 'मोहम्मद का चरित्र' सहायक सिद्ध हुई। प्रिटोरिया में 1893 के वर्ष गांधीजी ने कई किताबें पढ़ी। कुछ किताबों की विषय वस्तु की उन्होंने एक 'गंभीर' और 'कठिन' पुस्तक माना और कहा कि इसे अच्छी तरह समझने के लिये पाँच-सात बार पढ़ना चाहिये। यह नास्तिक को भी आस्तिक बना देती है।' उन्होंने अर्थर पियर्सन की किताब 'मैनी इनफालिबल प्रूफ्स' का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उनके शुभ चिंतक कवि रायचंद्र भाई ने उनका धार्मिक ज्ञान बढ़ाने के लिये उन्हें 'पंचीकरण', 'मणिरत्नमाला', योग विशिष्ट का 'मुमुक्षु प्रकरण', हरिमद्र सूरि का 'पड्दर्शन सम्मुचय आदि किताबें भेजी। मैक्समूलर की चर्चित कृति 'हिन्दुस्तान क्या सिखाता है?' का गांधीजी ने अत्यंत गंभीरता से अध्ययन किया।

इसके अलावा गांधीजी ने मोल्टन का 'अर्ली जोरोस्ट्रियनिज्म', हेनरी जेम्स दि 'द व्हेराइटी आफ रिलीजियस एक्सपीरियंस', हापकिन्स की 'ओरीजन एण्ड इवोल्यूशन आफ रिलीजियन, बर्कले की 'हिस्ट्री आफ सिविलिजेशन', जैसी कई गंभीर किताबें पढ़ीं लेकिन जिन किताबों ने उन्हें सर्वाधिक प्रभावित किया वे थीं- श्रीमद् भागवत गीता, जान रस्किन की 'अन टू दिस लास्ट, टाल्सटाय' की 'दि किंगडम आफ गाड इज विदिन यू' और थोरो की 'आन ड्यूटी आफ सिविल डिसओबेडिएंस' ।

जान रस्किन की 'अन टू दिस लास्ट गांधी जी ने अक्टूबर 1903 में जोहंसवर्ग से डरबन तक की रेल यात्रा के दौरान पढ़ी थी और इसमें उल्लेखित विचारों को तत्काल अमल में लाने का फैसला कर लिया था। बाद में उन्होंने इसका गुजराती अनुवाद भी किया जो 'सर्वोदय' के नाम से प्रकाशित हुआ। उन्होंने लिखा है कि- 'अन टू दिस लास्ट' उन पुस्तकों में से एक थी जिसने तात्कालिक महत्व के रचनात्मक परिवर्तन कराये। उन्होंने स्वीकार किया कि 'ग्रेट ब्रिटेन ने मुझे रस्किन दिया जिसने रातों रात मुझमें बड़ा परिवर्तन कर दिया। 'अन टू दिस लास्ट' पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने लिखा था कि यदि मानव जाति को प्रगति करना हो और समानता व भ्रातत्व के आदर्श को प्राप्त करना हो तो जान रस्किन की 'अन टू दिस लास्ट' के सिद्धांत पर चलना होगा। टाल्सटाय की कृतियों- 'गास्पेल्स इन ब्रीफ' और 'व्हाट टू डू' ने उन्हें सिखाया कि विश्व प्रेम मनुष्य को कितनी शुद्ध और शाश्वत ऊँचाई तक ले जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रूस ने मुझे टाल्सटाय के रूप में ऐसा शिक्षक दिया जिसने अहिंसा के लिये न्यायोचित आधार प्रदान किया।

गांधी और गीता

गांधी जी के जीवन में गीता का सर्वाधिक प्रभाव रहा। वे गीता के संबंध में कहते थे- 'यह न सिर्फ मेरी बाईबिल या कुरान है बल्कि मेरी मां है। गीता उनके लिये आचार की मार्गदर्शिका थी।' उन्होंने लिखा है कि- 'जिस प्रकार नये अंग्रेजी शब्दों के हिज्जों या उनके अर्थ देखने के लिये नैं अंग्रेजी शब्दकोश देखता था उसी प्रकार आचार संबंधी कठिनाइयों और अटपटी समस्याओं को में गीताजी से हल करता था।' गीता के दूसरे अध्याय ने उन्हें सर्वाधिक प्रभावित किया। उनके तीन आंदोलनों 'असहयोग आंदोलन', 'सविनय अवज्ञा आदोलन', और 'करो या मरो' आव्हान गीता में उल्लेखित धर्म और न्याय की अवधारणा से प्रभावित थे। गीता की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा था कि मानव समाज को अपने अस्तित्व के लिये सत्य और अहिंसा के मार्ग को अपनाना ही पड़ेगा। इसके लिये वे गीता के 'अनासक्ति योग' से अत्यंत प्रभावित थे और जीवन भर इसका पालन करते रहे। गीता उनके लिये जीवन पथ को आलोकित और मानव श्रम को गरिमा प्रदान करने वाली मार्गदर्शिका थी।

लाल बहादुर शास्त्री होने का अर्थ

जयंती पर विशेष

अदिति सिंह भदौरिया
लेखक स्तंभकार हैं।

किसी भी देश की व्यवस्था वहां के राजनीतिक माहौल पर निर्भर करती है और राजनैतिक माहौल उस देश के राजनेताओं पर निर्भर करता है। यदि आपका मुखिया दिखने में सरल है, लेकिन भीतर से उनमें आत्मविश्वास है कि वे अपने देश की विकास और उन्नति के लिए कठोर निर्णय भी ले सकते हैं। तो ऐसे राजनेता सदियों तक आम जनता के साथ-साथ अपने विरोधियो के मन से भी सम्माननीय जगह बनाने में सफल रहते हैं। लाल बहादुर शास्त्री जी ऐसे ही ईमानदार एवं देश के प्रति समर्पित और सादगी से भरपूर नेता थे।

पंडित जवाहरलाल नेहरू के आकस्मिक निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री जी ने भारत के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सम्भाला। इस पद पर वे करीब डेढ़ वर्ष तक रहे। लाल बहादुर शास्त्री जी भारतीय राजनीतिज्ञ थे। वह बहुत कम साधनों में अपना जीवन जीते थे। लाल बहादुर शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री जी ने अपनी किताब 'लाल बहादुर शास्त्री मेरे बाबूजी' में देश के पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन से जुड़े कई आत्मीय प्रसंग साझा किए। उन्होंने अपनी किताब में लिखा कि उनके पिता सरकारी खर्च पर मिली कार का प्रयोग नहीं करते थे। एक बार उन्होंने अपने पिता की कार चलाई। तो उन्होंने किलोमीटर का हिसाब कर पैसा सरकारी खाते में जमा करवाया था।

शास्त्रीजी मन और कर्म से पूरे गांधीवादी थे। अकाल के दिनों में जब देश में भूखमरी की विपत्ति आई तो शास्त्री जी ने देश के हर नागरिक से 1 दिन का व्रत रखने का आग्रह करते हुए कहा, यदि हम एक दिन का व्रत करेंगे तो भुखमरी समाप्त हो जाएगी। खुद शास्त्रीजी भी नियमित व्रत रखा करते थे और परिवार को भी यही आदेश था। शास्त्रीजी शिक्षा सुधारों को लेकर बहुत चिंतित रहते थे। उन्हें अपने कार्यकाल में भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत का नेतृत्व करने के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने महत्वपूर्ण युद्ध और खाद्यान्न की कमी की पृष्ठभूमि में सैनिकों और किसानों का मनोबल बढ़ाने के लिए में जय जवान जय किसान का प्रसिद्ध नारा दिया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपना वेतन लेना बंद कर दिया क्योंकि देश भोजन की कमी का सामना कर रहा था। शास्त्रीजी ने भारत को दूध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड बनाया। शास्त्रीजी ने भारत में हरित क्रांति की वैज्ञानिक शुरुआत की और जागरूकता लाए। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को उठाने और उद्योगों को प्रोत्साहित करने का गोल सेट किया। इसमें भारत को एक फूड सरल प्लस इकॉनमी में बदल दिया।

तमिलनाडू में स्वतंत्रता के पहले और बाद में हिंदी का घोर विरोध था। राज्य में हिंदी की आधिकारिक स्थिति को लेकर तमिलनाडू में बड़े पैमाने पर वृद्ध विरोध प्रदर्शन और दंगे हुए , वहां हिंदी को एकमात्र आधिकारिक भाषा बनाने के भारत सरकार के प्रयास कई गैर हिंदी भारतीय राज्यों को स्वीकार्य नहीं थे। जो अंग्रेज़ी का निरंतर उपयोग ही चाहते थे। स्थिति को शांत करने के लिए शास्त्रीजी ने आश्वासन दिया की जब तक गैरहिंदी भाषी राज्य चाहते हैं, तब तक अंग्रेजी का उपयोग आधिकारिक भाषा के रूप में किया जाता रहेगा।

उनकी ईमानदारी कि जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। प्रधानमंत्री रहते हुए भी वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए सरकारी कार्य का उपयोग नहीं करते थे, बल्कि इसके लिए उन्होंने रू. 12,000 में एक फिएट कार निजी तौर पर लोन लेकर खरीदी, जिसका भुगतान उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी ने पेंशन के पैसे से किया। आज कल ऐसी नैतिकता किसी भी राजनेता में देखना विरले ही है। 11 जनवरी 1966 को ताशकंद घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद उनकी मृत्यु हुई। उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित होने वाले पहले व्यक्ति थे। प्रधानमंत्री रहते हुए शास्त्रीजी ने कई चुनौतियों का सामना किया। 1965 का भारत पाकिस्तान युद्ध और देश में भीषण सूखा। ये प्रमुख चुनौतियां उनके सामने थी। इसके अलावा उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था और कृषि को बढ़ाने के लिए भी कई पहल की।

शास्त्रीजी एक लोकप्रिय और सम्मानित नेता थे। आजादी की रक्षा केवल सैनिकों का काम नहीं। पूरे देश को मजबूत होना होगा। ऐसी विचारों के साथ लाल बहादुर शास्त्री जी ने आम जनता में अपनी अमिट छाप छोड़ी। छुआ-छूत के वे खिलाफ़ थे। उनका कहना था कि यदि कोई एक व्यक्ति भी ऐसा रह गया जिसे किसी रूप में अछूता कहा जाए तो भारत को अपना सर शर्म से नीचे झुकाना पड़ेगा।

जिस देश में ऐसे नेता हो , उसे विश्व गुरु बनने से कोई कैसे रोक सकता है? शास्त्री जी को नमन करते हुए गर्व से यह बात कहना चाहती कि यह हमारे पूर्वजो की सोच और शास्त्री जी जैसे अनेक देश-भक्त नेताओं की दूरदर्शीता का ही परिणाम है कि आज भारत विश्व गुरु बनने की और अग्रसर है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

केदार शर्मा
लेखक व्यंग्यकार हैं।

सपने में बापू

कमलदास को नींद नहीं आ रही थी। कल्पना में बापू के विचारों पर गहन चिंतन कर रहा था। पता नहीं कब आँख लग गई और सपने में बापू नजर आए। बापू गहन विचारों में डूब हुए बोले–''मैंने तो सुना है कि लोगों ने आजादी के पहले देखे गए सपने-स्वावलम्बन ,कुटीर उद्योग ,अहिंसा ,सत्य और सादगी ईमानदारी आदि सब गौण कर दिए हैं ?

''नहीं नही बापू, ऐसी बात नहीं है''– मैंने बापू को विश्वास दिलाने की कोशिश की सम्मानीय 'बापू ! राष्ट्र-पुत्रों ने आपके काम को आगे ही बढ़ाया है, वैसे ही जैसे पिता के काम को पुत्र आगे बढ़ाता है। कुटीर-उद्योग भले ही कम हो गए हों पर मल्टीनेशनल कम्पनियों का जाल बिछ गया है, गली-गली में मनवाछिंत,सौन्दर्य-प्रसाधन सामग्री, फेसियल, फेसवाश, मनमोहक क्रीम ,स्प्रे ,पाउडर ,फास्ट फूड , भाँति- भाँति के पेय, ब्यूटी-पार्लर, मसाज सेंटर फास्ट फूड और न जाने किस-किसकी दुकाने अपने चमचमाते साइन बोर्ड साथ ग्राहक की अगवानी कर रहे हैं? घर दुकानों में तबदील हो गए हैं और दुकानें बड़े-बड़े मॉल्स में बदल गई है । बापू, ऐसी उन्नति पर भला किसको गर्व नहीं होगा? पूरा विश्वी मानो बाजार में तब्दील हो गया है । जिधर देखो उधर बाजार समदंर की तरह लहरा रहा है । रात को बाजार दिन को बाजार ।जिधर देखो उधर बाजार ही बाजार नजर आ रहा है। बापू ! ये दो रिश्तेर अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं ।पहला ग्राहक और दूसरी दुकानदार । सारी दुनिया कहीं इन दो भागों में बंटकर रह गई है ?

सपनों के धुंधलके मैने देखा, बापू भाव.शून्य चेहरा लिए मानो शून्य में देख रहे थे । मौन को तोड़ते हुए बापू बोले–''लेकिन मैंने तो सादगी और मित्तव्य यिता पर जोर दिया था। इन्द्रियों के संयम की प्रेरणा दी थी । गीता में कृष्ण का हवाला दिया था ।

मैनें बापू को फिर विश्वांस दिलाया – बापू, जो गीता के उपदेशों में जिस बात से सावधान रहने के लिए कृष्णय ने कहा गया था वो ही बात आधुनिक मानव का आदर्श बनता जा रही है। गीता में कहा गया है –''विषयों के निरतंर चिंतन से कामनाएँ उत्पन्न होती है । कामनाओं की पूर्ति न होने पर क्रोध की उत्पत्ति होती है क्रोध से बुद्धि भ्रष्टम होती है ।बुद्धि के भ्रष्ट होने पर मनुष्य् का पतन होता है ।

बापू ! मीड़िया में लहराते आकर्षक विज्ञापनों के मायाजाल द्वारा बार-बार झकझोरनें से आपके राष्ट्र-पुत्रोंके मन में विज्ञापित वस्तुओं की कामनाएं उत्पन्न हो रहीं है।ऐसी-ऐसी कामनाएँ जिनके बिना मजे से काम चल रहा था।बापू ! कामनाएँ न केवल उत्पन्न हो गईं बल्कि अब तक जड़ें भी जमा चुकी हैं । अब अगर इन्हें छोड़ते हैं तो मन को क्रोध आता है । और फिर क्रोध से मतिभ्रम होता है।

बापू ! इन सब से बचने के लिए राष्ट -पुत्रों ने 'उपभोग' का विकल्प अपनाया है । मलाईदार वर्ग की तो पाँचो अंगुलिया घी में और सिर कढ़ाही में है। मध्यसम वर्ग भी आकंठ डूबने लगा है। सम्मानीय बापू ! कौन कहता है कि वस्त्र मात्र तन की पाशविक विद्रूपता को ढकने का माध्य म भर हैं बल्कि यह दूसरे को इम्प्रेस करने का माध्यिम भी हैं । कौन कहता है वाहन आने-जाने भर के माध्य म नहीं बल्कि उनकी बाहरी लुक अधिक महत्वपूर्ण हो गया हैं । बापू ! मानाकि आपने कहा था, कि साध्यि के साथ उसके लिए प्रयुक्त साधन भी पवित्र होने चाहिए। कई लोगों ने तो साधन को ही साध्य बना डाला है। कुछ बनाने की जुगत में लगे है।

कुछ युवाओं ने शार्ट-कट ढूँढ लिया है। कुछ ढूँढ रहें हैं । अपना व्यक्तित्व निखारने के लिए नैतिक मूल्यों और आंतरिक गुणों को अर्जित करने की नीरस तपस्या के बजाए हैयर पार्लर, टेलर,शूज मेकर, फैशन डिजायनर आदि की सहायता से आज के कुछ युवाओं का व्यक्तित्व सातवें आसमान पर पहुंच गया हैं ।

बापू फिर उदास हो गए । बोले इन सब के लिए तो इनको बहुत पैसा कमाना पड़ रहा होगा। घाणी के बैल की तरह घूमते रहना पड़ता होगा। ये लोग कब प्रार्थना करते होंगे ? कब गीता और अपने अपने पंथ की किताबें कब पढ़ते होंगे ।जो नहीं कमा पाते उनका क्या होता होगा ? मैंने कहा ''बापू ,गरीब इन अमीरों से प्रेरणा ले रहें हैं। बड़े-बड़े महानगरों तक मे सड़क किनारे के लगे डेरे तंबू वाले सामने खड़े अट्टालिकाओं में रंग भरकर भारत की विविधता का प्रमाण दे रहें हैं। खाइयां टीलों का गुणगान कर रहीं हैं ।

लोगों के दिल ओर दिमाग दोनों उदार हुए हैं । आज काम के बदले सेवाकर्मी को सरकार वेतन के रूप मं नोट देती है ,तो शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने के लिए कुछ सरवेंट से सर बने लोगो द्वारा दक्षिणा मांगना आम बात हो गयी हैं। नेग ,टिप और उपहार और सुविधा शुल्क के नाम से चल रही इस दक्षिणा से आपसी व्यवहार और मजबूत हो रहा है । देश समृद्ध हो रहा है ।

''उठो , क्या बडाबड़ाये जा रहे हो ? चाय ठंडी हो रही है''–
– पत्नि की आवाज से नींद खुल अब नींद खुल चुकी थी।

गांधी जयंती पर विशेष

डॉ. रामेश्वर मिश्र

गांधी जी की राष्ट्र साधना

गांधी जी के लिए राष्ट्र एक वट वृक्ष की तरह था जिसमें अलग-अलग कई शाखाएं थी परंतु इन शाखाओं का हरा भरा जीवन ही राष्ट्र रुपी वट वृक्ष को घना एवं बड़ा बनाने में सक्षम था उसकी एक भी शाखा के सूखने से वट वृक्ष के सूखने की आशंका थी इसलिए गांधी जी भारत रुपी वट वृक्ष की अलग-थलग पड़ने वाली शाखाओं को जोड़ने के लिए वैचारिक रूप से महत्वपूर्ण विषयों को सुदृढ़ करने का प्रयास किया।

गांधी जी के राष्ट्र निर्माण की साधना में विधवा महिलाओं की निम्नतर स्थिति भी एक महत्वपूर्ण समस्या थी। भारत में विधवाओं को उस समय हेय समझा जाता था, लोगों द्वारा उन्हें अभिशाप के रूप में देखा जाता था जिससे भारत की विधवा महिलाओं की स्थिति काफी निम्नतर हो गई थी। भारत में विधवाओं को कमतर स्थान मिलने से महिलाओं का एक बड़ा समूह कट सा गया था। भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में विधवाओं की हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के लिए गांधी जी ने सन 1920 से 1930 के बीच में खादी से विधवाओं को जोड़ने के लिए अभियान चलाया जिसके फलस्वरूप भारत में अलग-थलग पड़ी विधवा महिलाओं ने भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के नायकों के लिए खादी की टोपियां और कपड़े बुने जिससे राष्ट्र की स्वायत्तता रुपी कड़ी मजबूत हुई। गांधी जी ने एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने राजमहेन्द्र और बारीसाल की पतित महिलाओं को देखा जिसमें से एक जवान महिला ने मुझसे पूछा कि आप का चरखा हमें क्या दे सकता है, मैंने बड़ी सहजता के साथ उस लड़की को उतर देते हुए कहा कि खादी सिर्फ वस्त्र नहीं, मेरे लिए एक प्रतिरोध वस्त्र है। इसके आगे बढ़ते हुए गांधी जी ने सहजता से कहा कि मैं जितनी बार चरखे पर सूत निकालता हूँ उतनी ही बार भारत के गरीबों का विचार करता हूँ। उन्होंने ने भारतीय लोगों को चरखे और खादी के महत्व को बताते हुए कहा कि मेरा पक्का विश्वास है कि हाथ कताई और हाथ बुनाई के पुनर्जीवन से भारत के आर्थिक और नैतिक पुनरुत्थान में बड़ी मदद मिलेगी। गांधी जी ने भारत के राष्ट्र निर्माण रुपी माला को और अधिक मजबूत करने के लिए चरखा और खादी से लोगों को जोड़ने के कार्यक्रम को और अधिक विस्तृत किया।

गांधी जी की राष्ट्र निर्माण की साधना में दूसरी सबसे बड़ी बाधा अस्पृश्यता थी। भारत के करोड़ों लोग इस घिनौनी प्रथा के फलस्वरूप भारत के स्वायत्तता के संघर्ष से नहीं जुड़ पा रहे थे, भारत में इस समय दलितों को हेय की नजर से देखा जा रहा था। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान दलित वर्ग को अछूत की नजर से देखने का फल यह था कि भारत का एक बड़ा वर्ग स्वायत्तता के संघर्ष में कट गया था, उसका सहयोग प्राप्त करने के लिए तथा गांव के दलितों को भी मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गांधी जी ने चरखा और खादी पर जोर दिया। गांधी जी ने कहा कि कताई के पुनरुत्थान पर करोड़ों लोगों का नैतिक एवं आर्थिक जीवन निर्भर है। गांधी के चरखा और खादी के सृजन में समानता का भाव था, वही खादी के विकास से भारत की आत्मघाती गरीबी पर प्रहार किया जा सकता था। चरखा और खादी से गांधी जी ने दलितों के साथ-साथ जुलाहों को जोड़ने का काम किया जिससे हासिये पर गया एक बड़ा समूह राष्ट्र निर्माण और स्वायत्तता की लड़ाई की मुख्यधारा से जुड़ गया। खादी की टोपियां स्वत्रंतता आन्दोलन से जुड़े स्वत्रंतता संग्राम सेनानियों में एकता का भाव जगाती थी।

गांधी जी ने शहरों और गांवों में विद्यमान अस्पृश्यता की विचारधारा पर गहरा प्रहार किया, गांधी जी यह जानते थे कि उनकी राष्ट्र निर्माण की साधना में तथा लोगों को लोगों से जोड़ने में जाति-पति, छूआ-छूत एक बड़ी बाधा है। गांधी जी ने अस्पृश्यता और छुआ-छूत पर बोलते हुए कहा कि 'अस्पृश्यता हिन्दू समाज का घोर अभिशाप है, इसने समाज में दरारें पैदा करके भारत को बहुत कमजोर किया है, अस्पृश्यता एक पाप मूलक संस्था है। गांधी जी ने अस्पृश्यता का विरोध करते हुए कहा कि आज से कोई किसी को जन्म के आधार पर अछूत नहीं मानेगा, सार्वजनिक कुओं, सार्वजनिक विद्यालयों, सार्वजनिक सड़कों और अन्य संस्थाओं के उपयोग के मामले में उन्हें वे अधिकार प्राप्त होगें जो अन्य वर्गों को प्राप्त है। गांधी जी भारतीय समाज में व्याप्त इस कुव्यवस्था को राष्ट्र की उन्नति में बाधक समझते थे। गांधी जी को यह ज्ञात था कि स्वस्थ राष्ट्र के नव निर्माण के लिए अस्पृश्यता रुपी घातक बीमारी पर प्रहार आवश्यक है। गांधी जी का मानना था कि बिना सबको साथ लिए राष्ट्र की स्वायत्तता की लड़ाई कमजोर होगी, वैचारिक रूप से अलग-थलग पड़े राष्ट्र की एकता को मूर्त नहीं किया जा सकता है जब तक भारत में अस्पृश्यता रुपी वैचारिक भिन्नता विद्यमान है। सन 1933 में गांधी जी ने एक संवाददाता से पूछा कि आप ऐसा क्यों मानते हैं कि स्वराज अस्पृश्यता की सम्पत्ति से अलग कोई वस्तु है। गांधी जी गांव के लोगों को स्वायत्तता आन्दोलन से जोड़ना चाहते थे, इसके लिए उन्होंने शहरी और ग्रामीण के बीच का अन्तर समाप्त करने का प्रयास किया। गांधी जी ने शहरी लोगों द्वारा गांव के प्रति किये जा रहे भेदभाव का कई बार विरोध किया। गांधी जी ने गांव में अस्पृश्यता के विरुद्ध उपवास किया और इस निष्कर्ष पर पहुंच गए थे कि अस्पृश्यता को समाप्त किये बगैर राष्ट्र निर्माण की साधना को पूर्ण नहीं किया जा सकता है। सन् 1930 में अस्पृश्यता के खिलाफ गांधी जी उपवास पर बैठे और उन्होंने कहा कि अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान में अब अछूत नाम से चिन्हित लोगों की रश्मि अस्पृश्यता के उन्मूलन से बहुत कुछ ज्यादा का समावेश होने लगा, शहर में रहने वाले लोगों के लिए गांव अछूत बन गए थे और इस व्यापक अस्पृश्यता को खत्म करने के लिए ही ग्रामीण उद्योगों का नव जीवन बहुत आवश्यक है।

गांधी जी ने दलितोद्धार के लिए अन्तिम दिन तक संघर्ष किया, गांधी जी अछूतों के लिए हरिजन शब्द का इस्तेमाल करते थे, उनका मन हमेशा भारत की जाति व्यवस्था को देखकर कुंठित रहता था। गांधी जी का ऐसे धर्म में विश्वास था जिसमें ऊंच-नीच, जाति-पांति, रंगभेद के लिए कोई स्थान नहीं था, उन्होंने ऐसी प्रत्येक बात को ठुकरा दिया जो विवेक और मानवता के विरुद्ध थी। गांधी जी का मानना था कि अस्पृश्यता में विश्वास ईश्वर का निषेध है, गांधी जी ने ऐसी मन्दिरों में प्रवेश करने से इंकार कर दिया जहां अछूतों के लिए प्रवेश निषेध था। गांधी जी ने हमेशा भारत में व्याप्त असमानता एवं कुविचारों का विरोध किया। गांधी जी का केवल एक ही लक्ष्य था भारत में भाईचारा, प्रेमयुक्त समानता का व्यवहार सबके साथ किया जाय। गांधी जी के कार्यों एवं विचारों में हमेशा एक अखण्ड भारत का भाव सन्निहित था।

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

क्या पितृपक्ष में गांधी जी को पानी दोगे?

महात्मा गांधी की स्वराज्य की प्यास अब तक बुझी नहीं है। क्या हम पितृपक्ष में गांधी जी को पानी देंगे? महात्मा गांधी से प्रेरित हमारे ही अनेक पितर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपनी जान पर खेल जाने वालों के रूप में याद किये जाते हैं। इनमें कई अज्ञात भी रह गये जिनके नाम भी हम नहीं जानते। इन स्थानीय पितरों की स्मृतियां देश के गांवों, कस्बों और शहरों में कुछ तो बची रह गयी होंगी। शिलालेखों पर खुदे सेनानी पितरों के नामों पर जमी काई को शायद कुछ लोग अब भी साफ़ करते होंगे। यदि न करते हों तो श्राद्धपक्ष में यह कर्तव्य निभाया जा सकता है। गांधी जी भी तो हमारे पितरों के साथ ही रहते होंगे।

महात्मा गांधी ने भारत के सभी कुल-कुटुम्बों को उनके आत्मबल की याद दिलाकर उनकी संतानों को स्वराज्य पाने के लिए अहिंसक सत्याग्रह की राह दिखायी, उनमें सबके परदादा, दादी-दादा, माता-पिता ही तो शामिल रहे होंगे। हमें लगता है कि हमारे ये पूर्वज अब पितरों के लोक में रहते हैं और हमारा अर्पण किया हुआ अन्न-जल ग्रहण करके संतुष्ट होते हैं। पितरों का लोक कहां है, हम नहीं जानते। कभी यह भी लगता है कि वे हमारे आसपास यहीं-कहीं हैं। यहीं इसी माटी में मिले हुए-से हैं। पितरों का मार्ग धरती के मटमैलेपन पर लौटकर उसकी माटी को बार-बार गोड़ने और नयी क्यारियां बनाने का मार्ग है जिनमें बरन-बरन के पुष्पित जीवन की जगह सदा बनी रहे। हर कोई पितर होने के लिए बीत रहा है।

छिहत्तर साल पहले बापू भी तो राष्ट्र के पितृलोक में ही घुल-मिल गये हैं और वे अकेले नहीं हैं कस्तूरबा भी उनके साथ हैं। हमारे पितरों ने अन्याय के विरुद्ध अपने अहिंसक सत्याग्रह का आधार सर्वधर्म समभाव को माना। इस समभाव के बिना कोई कितना भी चाहे उदारता के मूल्य को अपने और राष्ट्र के जीवन में स्थापित नहीं कर सकता। राष्ट्र के समूचे जीवन में जब तक इस मूल्य को पाने की तड़प पैदा न होगी तब तक अन्याय के प्रति सविनय अवज्ञा की सामूहिक शक्ति का अभाव भी बना रहेगा। जिसके कारण राष्ट्रीय जीवन में अकेलापन, असहायता और असुरक्षा भी बढ़ती जायेगी।

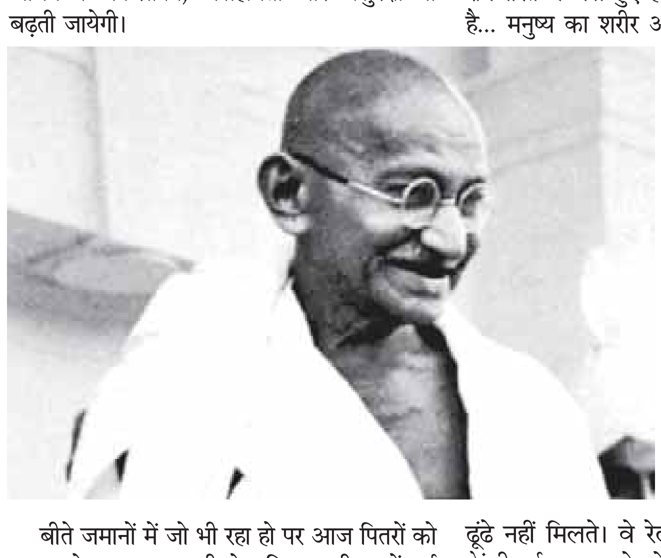

बीते जमानों में जो भी रहा हो पर आज पितरों को तृप्त करने का मतलब यही होगा कि हम जीवन में कई पीढ़ियों से रची-बसी जीने की कलाओं को याद करें जो सबको सहारा देने के लिए पूर्वजों ने गढ़ी हैं। महात्मा गांधी के सान्निध्य में हमारे पूर्वजों ने सबके हृदय से जुड़ी प्रार्थनाओं और सबके हाथों से जुड़े उपकरणों का सहारा लिया जो राष्ट्र के जन-गण-मन के लिए अब भी विश्वस्नीय बने हुए हैं। जिनको अपनाने से संयमी और हुनरमंद सहकार राष्ट्र के नव निर्माण में बराबरी का हिस्सेदार होता रहे। इसी कारण गांधी जी ने पूर्वजों द्वारा खोजे गये सनातन मार्ग से निकली छोटी-छोटी पगडण्डियों पर चलते लोगों के पांवों की आहटों को सुनकर उनके साथ चलना ही चुना।

पितरों के प्रतीक बन गये उन कागभुसुण्डि की याद आती है जिन्होंने उस गरुड़ के प्रश्नों का समाधान किया जिसे हमने तो नहीं देखा। पर जो जवाब रामचरित में बसे हुए हैं उन्हें ज़रूर पढ़ा जा सकता है... मनुष्य का शरीर अत्यंत मूल्यवान है और वही अपने रचे स्वर्ग-नर्क की सीढ़ी है। जीवन में दरिद्रता ही सबसे बड़ा दुख है। सज्जनों की सीख में ही सुख है। अहिंसा ही परम धर्म है। कोई नहीं जानता कि हमारे पुरखे संसार को छोड़कर किस मार्ग से कहां चले जाते हैं। पर वे अपना रचा हुआ मार्ग हमारे चलने के लिए यहीं छोड़ जाते हैं।

श्राद्धपक्ष में पितरों को पानी देने का अर्थ कौओं को आवाज देकर बुलाना नहीं है। अब तो कौए भी ढूंढे नहीं मिलते। वे रेल्वे प्लेटफार्म पर हमारी ही फेंकी हुई जूठन खोजते ज़रूर मिल जाते हैं। भले ही भोर होते कागा घर की मुंडेर पर अब न आता हो, पितरों का घर तो अब भी हमारी स्मृतियों में ही बसा है। श्राद्धपक्ष में ही क्यों, हम जब भी अपनी स्मृति के द्वार पर अपने पितरों को दस्तक देते हैं तो पुराने एल्बम में उनकी धुंधली-सी तस्वीर दिखती है और वे हमारी आंखों में आंसू बनकर हमारे साथ बहने लगते हैं। हम पुरखों के बनाये हुए मार्ग को अक्सर भूल जाते हैं। जब उन मार्गों की याद आती है तो आंसू छलक आते हैं।

सादगी, सेवा और समर्पण के पर्याय थे शास्त्री जी

जयंती पर विशेष

शिवकुमार शर्मा

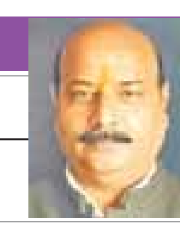

लाल बहादुर शास्त्री, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता और भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे जिन्हें उनकी ईमानदारी, सादगीऔर कर्तव्यनिष्ठा के लिए आज भी सम्मान के साथ याद किया जाता है। शास्त्री जी का जीवन भारतीय राजनीति और समाज के लिए एक आदर्श रहा है उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और निस्वार्थ सेवा से भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शास्त्री जी का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। उनके पिता शारदा प्रसाद श्रीवास्तव एक शिक्षक थे और माता रामदुलारी देवी एक गृहिणी थीं। शास्त्री जी का बचपन गरीबी में बीता और जब वे सिर्फ डेढ़ साल के थे, तभी उनके पिता का देहांत हो गया। उनके जीवन में कठिनाइयाँ शुरू से ही रहीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। शिक्षा के प्रति उनकी लगन बचपन से ही दिखने लगी थी। उनका स्कूल गंगा नदी के उस पार था और शास्त्री के पास नाव का किराया देने के लिए पैसे नहीं होते थे। वह किताबों को अपने सिर बांधकर गंगा नदी में तैरकर पढ़ने जाते हैं और फिर नदी को पार कर वापस आते थे।उन्होंने वाराणसी के हरिश्चंद्र हाई स्कूल से शिक्षा प्राप्त की और काशी विद्यापीठ से स्नातक की उपाधि ली। काशी विद्यापीठ से उन्हें 'शास्त्री' की उपाधि प्राप्त हुई, जिसे बाद में उन्होंने अपने नाम के साथ जोड़ लिया।

शास्त्री जी ने स्वतंत्रता संग्राम में समर्पित सैनिक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । असहयोग आंदोलन से प्रेरित होकर, उन्होंने 1921 में स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और अपनी पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद, वे कई आंदोलनों में सक्रिय रूप से शामिल रहे, जैसे सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन। उनके सादगीपूर्ण और निस्वार्थ व्यक्तित्व के कारण उन्हें लोकप्रियता मिली। शास्त्री जी कई बार जेल भी गए, वहां रहते हुए बहुत कुछ सीखा और अपनी विचारधारा को और सुदृढ़ किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, शास्त्री जी ने देश के निर्माण में कई महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे 1952 में उत्तर प्रदेश के गृह मंत्री बने और बाद में भारत सरकार में परिवहन और रेल मंत्री के रूप में सेवा दी। जब 1956 में रेल दुर्घटना हुई, तो उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस घटना ने उनकी सादगी और ईमानदारी को सबके सामने और भी स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया।1964 में, पंडित जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद, शास्त्री जी को भारत का प्रधानमंत्री चुना गया। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जो देश के लिए मील का पत्थर साबित हुए।

लाल बहादुर शास्त्री का कार्यकाल विशेष रूप से 'जय जवान, जय किसान' के नारे के लिए प्रसिद्ध है। 1965 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ा, तब शास्त्री जी ने सेना और किसानों को इस नारे के माध्यम से प्रेरित किया। उनका मानना था कि देश की सुरक्षा और समृद्धि दोनों का आधार जवान और किसान हैं। उन्होंने किसानों की समस्याओं को समझते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की कई योजनाएँ शुरू कीं, जिससे भारत में कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिला।शास्त्री जी के नेतृत्व में भारत ने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान के आक्रमण का पुरजोर विरोध किया और भारतीय सेना का मनोबल ऊँचा बनाए रखा। युद्ध के दौरान उनका नेतृत्व कुशल और प्रभावशाली था। उन्होंने अपने छोटे और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के बावजूद राष्ट्र को संकट के समय में एकजुट करते हुए जीत की ओर अग्रसर किया।1966 में ताशकंद में भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौता हुआ, जिसे 'ताशकंद समझौता' कहा जाता है। यह समझौता शास्त्री जी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अयूब खान के बीच हुआ था, जिसमें युद्धविराम और शांति बहाली के मुद्दे तय किए गए थे। लेकिन,समझौते के तुरंत बाद, 11 जनवरी 1966 को ताशकंद में ही शास्त्री जी की अचानक मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के कारण आज भी विवाद का विषय बने हुए हैं, लेकिन उनका योगदान और उनकी ईमानदारी आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। लाल बहादुर शास्त्री का जीवन संघर्ष, सेवा, और सादगी का आदर्श उदाहरण है। उन्होंने भारतीय राजनीति में ईमानदारी, नैतिकता, और कर्तव्यनिष्ठा के नए मानक स्थापित किए। उनकी नेतृत्व शैली, निस्वार्थता, और देशप्रेम को हमेशा याद किया जाएगा। वे भारत के उन महान नेताओं में से एक थे जिन्होंने न केवल देश को दिशा दी, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का सपना देखा, जो आत्मनिर्भर और सशक्त हो।

प्रसंगवश

डॉ. विभा सिंह

श्रीकृष्ण जुगनू के प्रयासों से जाने गए संस्कृत के वैज्ञानिक स्रोत

भाषाई पुनरुत्थान और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में, श्रीकृष्णकांत चौहान, जिन्हें प्यार से डॉ. कृष्ण 'जुगनू' के नाम से जाना जाता है, अटूट समर्पण के प्रतीक के रूप में खड़े हैं। छत्तीस वर्षों की उल्लेखनीय अवधि के लिए, उन्होंने अपने शिक्षण करियर के साथ जीवन को एक महान मिशन के लिए समर्पित किया है : प्राचीन संस्कृत भंडार की खोज खबर, पुनरुत्थान और वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान के लंबे समय से भूले हुए रत्नों का संपादन और भारतीय भाषाओं में प्रकाशन। अथक जुनून के साथ, उन्होंने भारतीय मूल की वैज्ञानिक विषयों वाली अज्ञात और अमूल्य पांडुलिपियों को चुना, उन्हें विलुप्त होने के कगार से बचाया है, प्राचीन भारतीय विज्ञान की साहित्यिक विरासत में फिर से जान फूंकी है। सब कुछ अकेले, किसी से कोई सहायता नहीं। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी जीवन कहानी समर्पण, दृढ़ता और अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति अगाध प्रेम का प्रतीक है। पश्चिमी प्रभाव के प्रचलित ज्वार के खिलाफ, वे प्राचीन ज्ञान के प्रहरी के रूप में उभरे हैं।

देवभाषा संस्कृत को अक्सर साहित्य, नाटकों और प्राचीन ग्रंथों के दायरे में सीमित कर दिया गया है, लेकिन इसका महत्व इन सीमाओं से परे है। यह प्राचीन भाषा गहन वैज्ञानिक सिद्धांतों और ज्ञान का प्रतीक है। सबसे पुरानी लिखित भाषाओं में से एक के रूप में, संस्कृत अपार मूल्य के भंडार के रूप में खड़ी है। अपने साहित्यिक खजाने से परे, इसमें वैज्ञानिक ज्ञान का खजाना छिपा है जो प्राचीन संस्कृतियों और उनकी उन्नति के बारे में हमारी समझ को समृद्ध करता है। संस्कृत मानवीय सरलता और बौद्धिक विरासत का एक प्रमाण है, जो हमें हमारे अतीत के रहस्यों को उजागर करने और हमारे भविष्य में अंतर्दृष्टि प्रदान करने में इसकी स्थायी प्रासंगिकता की याद दिलाती है।

भाषाई पुनरुत्थान और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में, श्रीकृष्णकांत चौहान, जिन्हें प्यार से डॉ. कृष्ण 'जुगनू' के नाम से जाना जाता है, अटूट समर्पण के प्रतीक के रूप में खड़े हैं। छत्तीस वर्षों की उल्लेखनीय अवधि के लिए, उन्होंने अपने शिक्षण करियर के साथ जीवन को एक महान मिशन के लिए समर्पित किया है : प्राचीन संस्कृत भंडार की खोज खबर, पुनरुत्थान और वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान के लंबे समय से भूले हुए रत्नों का संपादन और भारतीय भाषाओं में प्रकाशन। अथक जुनून के साथ, उन्होंने भारतीय मूल की वैज्ञानिक विषयों वाली अज्ञात और अमूल्य पांडुलिपियों को चुना, उन्हें विलुप्त होने के कगार से बचाया है, प्राचीन भारतीय विज्ञान की साहित्यिक विरासत में फिर से जान फूंकी है। सब कुछ अकेले, किसी से कोई सहायता नहीं। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी जीवन कहानी समर्पण, दृढ़ता और अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति अगाध प्रेम का प्रतीक है। पश्चिमी प्रभाव के प्रचलित ज्वार के खिलाफ, वे प्राचीन ज्ञान के प्रहरी के रूप में उभरे हैं।

उनके अथक प्रयासों से न केवल भारत की वैज्ञानिक विरासत के बारे में हमारी समझ समृद्ध और विकसित हुई है, बल्कि भाषा के प्रति गौरव की भावना भी जागृत हुई है। अद्वितीय प्रतिबद्धता के साथ उन्होंने 250 से अधिक पुस्तकों का अनुवाद, संपादन और प्रकाशन का विशाल कार्य किया, जो कुल मिलाकर 50,000 पृष्ठों में फैला हुआ था। संसारभर में ऐसे कार्यों का कोई सानी नहीं।

अब तक उन्होंने संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए लगभग 20 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वेबिनार किए हैं जो राजकीय और निजी संस्थाओं के स्तर पर आयोजित हुए। उन्होंने चार अलग-अलग भाषाओं में किताबें लिखी हैंः हिंदी, अंग्रेजी, राजस्थानी और संस्कृत। इसके अलावा, वह बंगाली और मराठी भाषाओं को समझ लेते हैं और उनके स्रोतों का उपयोग भी करते हैं।

चित्तौड़गढ़ जिले में छोटा सा गांव हैः आकोला। कपड़ों की पारंपरिक रंगाई और छपाई के लिए कई सदियों से प्रसिद्ध। वहीं कृष्णकांत का धर्म परायण चौहान परिवार में 2 अक्टूबर 1964 को जन्म हुआ। वहीं उन्होंने 8वीं तक की शिक्षा प्राप्त की। घोर अभाव और अनशन के अति जैसी स्थितियां बड़ी बाधक रहीं लेकिन स्वयंपाठी के रूप में पढ़े। उनकी शैक्षणिक खोज जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय से पीएचडी में परिणत हुई, जहाँ उन्होंने 'मेवाड़ प्रदेश का हीड-साहित्य' के क्षेत्र में गहन अध्ययन किया। इस विद्वत्तापूर्ण प्रयास ने उनके मूल क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के प्रति उनके समर्पण को प्रदर्शित किया।

डॉक्टरेट के अलावा, डॉ. कृष्णकांत के पास अन्य उल्लेखनीय डिग्रियाँ भी हैं। उन्होंने पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया, जो मीडिया और संचार की दुनिया में उनकी दक्षता का प्रमाण है। इसके अलावा, उन्होंने उदयपुर में सुखाड़िया विश्वविद्यालय से शिक्षा स्नातक की डिग्री प्राप्त की, जो शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दृश्य-श्रव्य मीडिया में उनकी दक्षता, विविध माध्यमों के माध्यम से ज्ञान के प्रसार में उनकी अनुकूलनशीलता और कौशल को उजागर करती है।

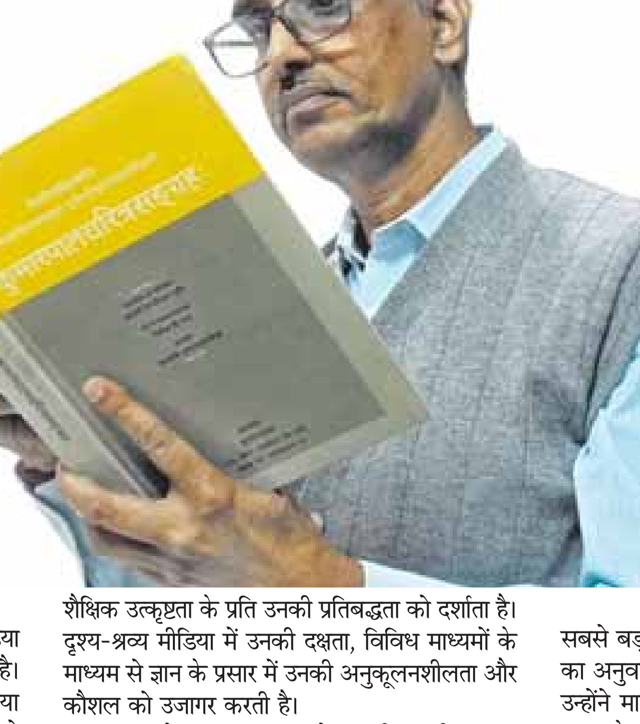

2003 में डॉ. कृष्णकांत ने अपनी पहली पुस्तक 'विश्ववल्लभ' का अनुवाद करके अपनी साहित्यिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। यह महाराणा प्रताप द्वारा लिखवाई गई पर्यावरण विषयक वैश्विक महत्व की पुस्तक है। यह प्रेरणा बनी और समकालीन पाठकों के लिए प्राचीन भारतीय ज्ञान का अनुवाद और संरक्षण करने में उनके विपुल करियर की शुरुआत हुई।

उनका समर्पण कई अप्रकाशित पांडुलिपियों के मुद्रण और अनुवाद तक फैला हुआ था। उनके प्रयासों ने सुनिश्चित किया कि प्राचीन भारत की भविष्य की अंतर्दृष्टि से भरपूर ये छिपे हुए खजाने व्यापक जनता के लिए सुलभ हो सकें। अपने कार्य के माध्यम से उन्होंने इन ग्रंथों में छिपे गहन ज्ञान को उजागर किया तथा अतीत तथा भविष्य के लिए उसकी प्रासंगिकता के बारे में हमारी समझ को समृद्ध किया।

डॉ. जुगनू की कहानी दिलचस्प है क्योंकि उन्होंने कभी औपचारिक संस्कृत शिक्षा नहीं ली या डिप्लोमा हासिल नहीं किया। फिर भी उनकी अनुवादित और लिखित पुस्तकें कई विश्वविद्यालयों में आवश्यक शिक्षण सामग्री बन गई हैं। उनका सबसे बड़ा योगदान प्राचीन वास्तुकला ग्रंथों और शास्त्रों का अनुवाद था, जिन्हें श्रद्धेय ऋषि मुनियों ने लिखा था। उन्होंने माना कि वास्तुकला, समाज के एक आवश्यक पहलू के रूप में, जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की कुंजी है। इन प्राचीन कार्यों का परिश्रमपूर्वक अनुवाद करके, उन्होंने अतीत के ज्ञान और समकालीन समाज की जरूरतों के बीच की खाई को पाट दिया।

डॉ. कृष्णकांत की विपुल साहित्यिक यात्रा ने ज्ञान प्रसार की दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है। 1978 से अब तक, उन्होंने शताधिक शिलालेखो, 'सुरे लेखो' और विभिन्न लिपि प्रणालियों जैसे विविध विषयों पर लगभग 6,000 लेख लिखे और प्रकाशित किए हैं। रॉयल एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल, कोलकाता, भंडारकर ओरियंटल इंस्टिट्यूट पूना, नेपाल महाराजा लायब्रेरी, काठमांडू, सरस्वती महल भंडार, तंजौर, त्रिवेंद्रम संस्कृत ग्रंथालय, एलडी इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडोलॉजी, अहमदाबाद, विश्वेश्वरानंद वैदिक इंस्टीट्यूट, होशियारपुर आदि के ग्रंथ भंडारों की पांडुलिपियों और प्रकाशनों के पहली बार अनुवाद पढ़े और अनुवाद किए गए। शिलालेख लगभग 1000, नव ज्ञात ताम्रपत्र जिनके पाठ तैयार किए लगभग 1700 की संख्या में। उनके लेख भारत भर के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में छपे, जिनमें इतिहास, पुरातत्व, शिल्प, कला, वास्तुकला, शिक्षा, धर्म, ज्योतिष और संस्कृति के ताने-बाने को उजागर किया गया।

कृष्णकांत का अकादमिक परिदृश्य पर गहरा प्रभाव इस तथ्य से स्पष्ट है कि कई छात्र उनके द्वारा लिखी, संपादित और अनुवादित पुस्तकों के आधार पर पीएचडी शोध करना चुनते हैं। उनका योगदान अगली पीढ़ी के विद्वानों के लिए अमूल्य संसाधन और प्रेरणा के स्रोत के रूप में काम करता है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के लिए गहरी प्रशंसा को बढ़ावा देता है। देश के कई विश्व विद्यालयों में नवीन शोधों में सबसे अधिक विषय वे ही हैं जिन्हें उन्होंने खड़ा किया।

रामलीला में आज होगा ताड़का वध

भौरा। शिव मंदिर रामलीला चौक पर स्थानीय मंडल के कलाकारों ने रविवार को गणेश पूजन एवं सोमवार को नारद मोह का मंचन किया गया। यहां रामलीला मंडल भौंरा द्वारा लगातार 81 वर्षों से रामलीला का मंचन स्थानीय कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। इस वर्ष भी शिव मंदिर

रामलीला चौक पर मंडल द्वारा मंचन किया जा रहा है। जिसमें मंडल के कलाकार अमित तिवारी ने नारद का किरदार निभाया। रात्रि में राम जन्म एवं रावण वेदवती संवाद का मंचन किया हुआ। रावण की भूमिका रूबल सलूजा ने निभाई। राम के रूप में सौरभ सिरोठिया एवं लक्ष्मण कौशिक राठौर बने। मंडल द्वारा आज रात्रि में ताडक़ा वध का मंचन किया जायेगा। जिसमें ताडक़ा के पुत्र मारीच और सुबाहु से राम-लक्ष्मण का भीषण युद्ध को दर्शकों के सामने प्रदर्शित किया जायेगा। मारीच की भूमिका अर्पित तिवारी एवं सुबाहु की भूमिका भुरू राठौर निभायेंगे। मंडल के आनंद दुबे ने दर्शकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

6 दिवसीय एक्यूप्रेशर शिविर का शुभारंभ

बैतूल। नारी उत्थान समिति जिला क्षत्रिय लोणारी कुंबी समाज संगठन के तत्वाधान में, 1 अक्टूबर को 6 दिवसीय एक्यूप्रेशर शिविर का शुभारंभ शिवाजी सांस्कृतिक मंगल भवन में किया गया। शिविर का समापन 6 अक्टूबर को होगा। शिविर में जोधपुर राजस्थान के डॉ.जितेंद्र

कुमार एवं प्रकाश चौधरी द्वारा उपचार किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बैतूल नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर ने शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में प्रमुख रूप से रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष डॉ.अरुण जयसिंगपूरे, लोणारी कुनबी समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश मस्की, सचिव प्रवीण ठाकरे, नामदेव बारस्कर, सेवा संगठन के अध्यक्ष यशवंत मानकर, नारी उत्थान समिति अध्यक्ष संगीता घोडकी, नीतू चढ़ोकार एवं कार्यकारिणी उपस्थित थी। महिला मंडल की अध्यक्ष सिद्धलता महाले, वंदना पंडाग्रे, संरक्षक मंडल की सदस्य मधुबाला देशमुख, बडोरा संगठन के सदस्य एवं अन्य लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अनुराधा देशमुख द्वारा किया गया एवं आभार श्रीमती अरुण पाटणकर द्वारा व्यक्त किया गया।

आरडीए के 33 युवाओं का अग्निवीर आर्मी में चयन

फौजी अशोक रघुवंशी के मार्गदर्शन में मिली सफलता

बैतूल। अग्निवीर आर्मी में भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए बैतूल स्थित रघुकुल डिफेंस एकेडमी (आरडीए) ने एक बार फिर अपनी सफलता का परचम लहराया है। इस बार 42 युवाओं में से 33 का फाइनल चयन अग्निवीर (आर्मी) में हुआ है। यह उपलब्धि फौजी अशोक रघुवंशी (पूर्व सैनिक) के मार्गदर्शन में आरडीए द्वारा दी गई निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग के कारण संभव हो सकी है। आरडीए बैतूल

में पूर्व सैनिक अशोक रघुवंशी के नेतृत्व में युवाओं को निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग दी जाती है। इस बार 42 बच्चों ने आरडीए में कदम मिलाकर अग्निवीर आर्मी के लिए तैयारी की, जिसमें से 33 युवाओं का फाइनल चयन हुआ है। इनमें से 7 युवा मेडिकल में असफल रहे और मात्र 2 बच्चे मेरिट में बाहर हो गए। यह सफलता दिखाती है कि आरडीए बैतूल से जुड़े युवाओं को किस तरह से बेहतरीन मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस सफलता के पीछे कोच रवि पवार, कोच नंदकिशोर रघुवंशी बड़ा योगदान है, जिन्होंने युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार किया। सिलेक्ट अभ्यर्थी में गौतम राजपूत, अमरदीप अहाके, धर्मेंद्र पवार, हितेंद्र रघुवंशी, आशीष मस्कोले, अंकित यादव, पंकज यादव, योगेश भघेल, हेमंत भादे, आयुष, पीयूष, लक्ष्मीकांत, करण धोटे, देवांश, अविनाश, आशुतोष, धर्मेंद्र यादव, प्रवीण, अंकित, मोहित, नानक, सतीश, विजय, प्रितेश, अमित, देवेंद्र, पवन मकोड़े, योगेश, सोनी, सेटे, मयंक, तुषार बोकडे, और नीलेश भादे शामिल है, आरडीए बैतूल का उद्देश्य युवाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाना है, उन्हें आत्मविश्वास से भरपूर कर देश सेवा के लिए तैयार करना है।

वृद्धजनों को जागरूक करने पुलिस ने चलाया जन जागरूकता अभियान

साइबर क्राइम से बचने के बताये उपाय

बैतूल। महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों के विरुद्ध होने वाले अपराध और साइबर क्राइम को रोकने के उद्देश्य से पुलिस जन जागरूकता अभियान चला रही है। यह अभियान पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल झारिया के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर वृद्धजनों को जागरूक करने सभी थाना क्षेत्रों में आयोजित किया गया। जिसमें साइबर सेल प्रभारी नवीन सोनकर और उनकी टीम ने थाना कोतवाली सोनाघाटी चौकी प्रभारी वाहिद खान की उपस्थिति में मातोश्री वृद्धाश्रम बैतूल, ट्रैफिक पार्क पुलिस लाइन बैतूल और अन्य स्थानों पर जाकर वृद्धजनों को साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए। वृद्धजनों को उनके स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, योग का अभ्यास करने और वर्तमान समय में वृद्धजनों के विरुद्ध होने वाले साइबर अपराधों व ऑनलाइन ठगी से बचने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस ने साइबर अपराधों से बचाव के लिए बताया कि एटीएम बूथ पर किसी अनजान व्यक्ति से सहायता न लें, आवश्यकता हो तो किसी रिश्तेदार को साथ ले जाने सहित अन्य जानकारियां वृद्धजनों को दी गई।

हर्षोल्लास से मनाया बीएसएनएल का 25वां स्थापना दिवस

ड्राइंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, विजेताओं को किया पुरस्कृत

बैतूल। मंगलवार 1 अक्टूबर 2024 को बीएसएनएल का 25वा स्थापना दिवस पूरे देश के साथ साथ बैतूल में भी बीएसएनएल जिला कार्यालय पर हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर बीएसएनएल बैतूल कार्यालय द्वारा एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, यह प्रतियोगिता गत 28-सितंबर 2024 को स्थानीय रेड रोज हायर सेकेंडरी स्कूल सिविल लाइंस बैतूल में रखी गई थी। इस ड्राइंग प्रतियोगिता का विषय स्मार्ट लर्निंग बाय यूजिंग बीएसएनएल फाइबर रखा गया था। जिसमें बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं द्वारा भाग लिया गया, यह प्रतियोगिता बीएसएनएल की संचार सेवाओं के प्रचार प्रसार हेतु विद्यालय में आयोजित की गई थी, साथ ही विजेताओं को बीएसएनएल जिला कार्यालय में ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत भी किया गया साथ ही विजेताओं को बीएसएनएल की फाइबर सेवाएं पुरस्कार स्वरूप निशुल्क प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल की प्राचार्य श्रीमती आशा ठाकुर तथा विद्यालय के अन्य शिक्षकगण व प्रतिभागी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। विजयी छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र तथा ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बीएसएनएल बैतूल के उप महाप्रबंधक राजमन्यु मेश्राम ने बीएसएनल की नई सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में बीएसएनएल कार्यालय के उप महाप्रबंधक संजय ढोक, एसडीओ विपिन नागेश, जेटीओ प्रदीप गढेकर, जेटीओ शैलेंद्र मानकर सहित विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लुटेरी दुल्हन मामले का एक और आरोपी गिरफ्तार, महिला की तलाश जारी

बैतूल। बहुचर्चित लुटेरी दुल्हन घटनाक्रम में फरार एक आरोपी को गंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक कुल चार आरोपियों को पकड़ लिया है। तीन आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके थे, जबकि महिला की तलाश अभी भी जारी है। गंज टीआई रविकांत डेहरिया ने बताया कि थाना गंज पुलिस ने साइबर सेल की मदद से तीन आरोपियों सुरेन्द्र उर्फ बंडु यादव, रमेश सुर्यवंशी, और एक महिला को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में फरार आरोपी राजेश अहिरवार (32) को भी गिरफ्तार किया है। गौरतलब रहे कि पिछले 8 सितंबर को देवास के हाट पिपलिया निवासी राजेश मंसुरिया (34) ने शिकायत की थी कि 30 अगस्त को सुरेन्द्र यादव ने उनके साले धर्मेन्द्र बागवन की शादी एक महिला से कराने के लिए बैतूल बुलाया था, जहां सुरेन्द्र यादव ने राजा उर्फ चंद्रशेखर और एक महिला से मिलवाया था। जिसके बाद रमेश सुर्यवंशी के घर कालापाठा ले गए, यहां पर रमेश सुर्यवंशी, राजेश यादव और दो महिलाएं मिली थी। एक युवती का आधार कार्ड दिखाने के बाद, शादी के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की गई। राजेश मंसुरिया ने 1 लाख रुपए नकदी और 40 हजार 500 रुपये फोन पे के माध्यम से सुरेन्द्र यादव को दिए। बैतूल कोर्ट के पास लिव-इन-रिलेशनशिप का एग्रीमेंट तैयार किया गया और फिर महिला को सोने का मंगलसूत्र व चांदी की पायल पहनाई गई। शादी की औपचारिकता पूरी होने के बाद सभी हाटपिपलिया, देवास के लिए टवेरा गाड़ी से जा रहे थे, तभी रास्ते में महिला ने शंकर ढाबे चिरापटला में खाने का बहाना किया और बाथरूम जाने के नाम पर एक स्कूटी सवार व्यक्ति के साथ भाग गई थी। शिकायत के बाद से ही पुलिस इस मामले में फरार आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

ट्रक ने मारी बाइक को टक्कर, दो लोगों की दर्दनाक मौत

बैतूल/मुलताई। नागपुर हाईवे पर मुलताई की राइस मिल के पास एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी है। हादसा इतना भयावह था कि बाइक सवार दो लोगों के शव क्षत-विक्षत हो गये। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अंकुश (26 वर्ष) अपने दोस्त के साथ बाइक से खरसाली के पास खेत गया हुआ था, वापस लौटते समय फोरलेन क्रॉस करते समय नागपुर की ओर से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गये। हादसे इतना दर्दनाक था कि बाइक ट्रक में फंसने के बाद एक शव खरसाली जोड़ से 50 फीट दूर क्षत-विक्षत होकर गिरा, वहीं पुलिस ने ट्रक के नीचे फंसे हुए दूसरे शव को निकाला। ट्रक राजस्थान का बताया जा रहा है। दुर्घटना के बाद मौके से कंडक्टर और ड्राइवर दोनों फरार हो गए हैं। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

जनसुनवाई में आये 167 आवेदन, एसडीएम ने सुनी समस्याएं

बैतूल। मंगलवार को जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और विभागीय अधिकारियों को आवेदनों के समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 167 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत पाढर के सरपंच अमित कुमरे ने पाढर में हो रहे अवैध अतिक्रमण की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर संयुक्त

कलेक्टर श्री अहमद ने शाहपुर एसडीएम को आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। वहीं मुलताई विकासखंड के ग्राम खल्ला निवासी कैलाश पिता सदाराम सूर्यवंशी ने आवेदन के माध्यम से बताया कि लोक सेवा केन्द्र मुलताई में आवेदन देने के बाद भी खेत का सीमांकन नहीं किया गया। संयुक्त कलेक्टर ने मुलताई तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। इसी तरह आठनेर तहसील के ग्राम अंधेर बावुडी निवासी सुभाष सहित अन्य द्वारा मजदूरी का भुगतान किए जाने के दिए गए आवेदन पर संयुक्त कलेक्टर श्री अहमद ने अनावेदक पक्ष को बकाया राशि का भुगतान किए जाने हेतु पत्र प्रेषित किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। शाहपुर निवासी रेखा मरकाम सहित अन्य को माह अप्रैल 2024 का वेतन नहीं मिलने के आवेदन पर एसडीएम राजीव कहार ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण की जांच कर भुगतान किए जाने के निर्देश दिए।

केंद्रीय विद्यालय में एचआईवी एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन

सघन जागरूकता अभियान में 160 छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

बैतूल। जिला एड्स नियंत्रण समिति बैतूल के तत्वावधान में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में एचआईवी, एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत उइके और जिला नोडल अधिकारी डॉ. आनंद मालवीय के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में आर्ट काउंसलर सह डाटा मैनेजर दिनेश भावरकर और लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना योर्स सोशल सोसायटी के कार्यक्रम प्रबंधक निर्देश मदरेले का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य आर.ए.एन. पांडेय की उपस्थिति में सभी स्टाफ को रेड रिबन लगाने से हुई। प्राचार्य द्वारा महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र का अनावरण कर माल्यार्पण किया गया। उन्होंने छात्रों को गांधी जी और शास्त्री जी के जीवन चरित्र के बारे में बताया और स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। उपस्थित सभी लोगों को गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती की शुभकामनाएं दी गईं। एचआईवी एड्स सघन जागरूकता अभियान, 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक चलेगा, इसके तहत आर्ट सेंटर में पदस्थ दिनेश भावरकर ने छात्रों को एचआईवी संक्रमण, उसके कारणों, बचाव और गर्भवती महिलाओं के एचआईवी एचबीएसएजी, सिफलिस, और एचबीएसएजी जांच की आवश्यकता पर जानकारी दी। उन्होंने एचआईवी एड्स एक्ट 2017 के बारे में भी बताया और टोल फ्री नंबर 1097 की जानकारी दी।

कार्यक्रम में टी आई डॉक्टर छाया लोखंडे ने मानसिक विकारों और बीमारियों से शरीर और मन पर पडने वाले प्रभावों पर चर्चा की और बेहतर जीवन जीने के लिए मानसिक समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम प्रबंधक निर्देश मदरेले ने नियमित व्यायाम, अच्छी किताबें पढने और आत्मविकास के लिए समय निकालने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक भारत भोंडे, अविनाश घोरेसे, स्टाफ नर्स ललिता काले, एसटीआई काउंसलर शिल्पी कश्यप, और टीआई परियोजना से जुड़े स्ट्रेट्रिक्ट डॉ.छाया लोखंडे, टीआई काउंसलर वर्षा खातरकर, ओआरडब्ल्यू भाग्यश्री तालमपुरिया, छाया प्रजापति, भाग्यश्री नामदेव, कीर्ति नामदेव उपस्थित रहे।

स्वरा म्यूजिकल ग्रुप ने दी शानदार गीतों की प्रस्तुतियां

लता मंगेशकर के गीतों को गाकर किया याद

बैतूल। वीवीएम कॉलेज परिसर में स्वरा म्यूजिकल ग्रुप बैतूल द्वारा संगीत जगत की महान गायिका लता मंगेशकर को उनके द्वारा गाये गये गीतों की प्रस्तुतियां देकर याद किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेसर केके चौबे एवं श्रीमती गुंजन खंडेलवाल द्वारा माँ सरस्वती एवं लताजी के छायाचित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित किया गया। वहीं विशिष्ट अतिथियों में पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, आमला विधायक योगेश पंडाग्रे, डॉ. शैला मूले, वीवीएम कॉलेज के संचालक एनडी देशमुख एवं श्री गढेकर के अलावा शहर के जाने माने हस्थियां उपस्थित रही। कार्यक्रम के शुरूआत में डॉ. अलका पांडे ने लताजी के सुप्रसिद्ध गीत 'रहे न रहे हम' गाकर कार्यक्रम में समां बांध दिया। जिसके पश्चात कलाकारों ने एक से बढ़क़र एक गीतों की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर एसपी श्री झारिया ने उपस्थित श्रोताओं एवं गायक-गायिकाओं द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की प्रशंसा की और विशेष आग्रह पर 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है' गीत सुनाकर उपस्थित श्रोताओं का मनमोह लिया। प्रोफेसर केके चौबे द्वारा कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए मुख्य आयोजक बीसी पांडे, सुरेश जैन, डॉ. अलका पांडे एवं श्रीमती संध्या जैन को बेहतर कार्यक्रम आयोजित किये जाने के लिए धन्यवाद प्रेषित किया। मनीष खंडेलवाल द्वारा स्वरा म्यूजिकल ग्रुप को ट्राफी भेंट कर पुरस्कार से गायकों को सम्मानित किया गया।

जन परिषद बैतूल व भौंरा चेप्टर ने किया सलकनपुर यात्रियों का स्वागत

भक्ति एवं सेवा का अनूठा संगम

बैतूल। नवरात्रि के पावन पर्व पर बैतूल जिले से प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु मां बिजासन धाम, सलकनपुर के लिए पदयात्रा पर निकल रहे हैं। भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत इन पैदल यात्रियों के उत्साह और समर्पण का जन परिषद बैतूल एवं भौरा चैप्टर ने भव्य स्वागत किया। बैतूल से भौरा तथा इटारसी तक के लंबे मार्ग में जन परिषद परिवार ने अपने श्रद्धालुओं को पानी के पाउच वितरित किए। जन परिषद के सदस्यों ने सेवा भावना से पदयात्रियों की मदद की, ताकि श्रद्धालु बिना किसी कठिनाई के अपनी यात्रा पूर्ण कर सकें। इटारसी से भौरा तक के पूरे मार्ग में जन परिषद के सदस्यों ने पानी के पाउच बांटे। जन परिषद की इस सेवा की पदयात्रियों ने सराहना की और जन परिवार को दुआएं दीं। जन परिषद भौरा चैप्टर के अध्यक्ष कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री ने इस अवसर पर कहा कि सेवा और यात्रियों से मिला मातारानी का आशीर्वाद हमें शक्ति और प्रेरणा देता है। हमारा उद्देश्य सदैव से जनसेवा करना रहा है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि जन परिषद की इस पहल को

न केवल पदयात्रियों, बल्कि स्थानीय लोगों से भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। इस दौरान प्रमुख रूप से जन परिषद भौंरा के अध्यक्ष कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री एवं जन परिषद बैतूल विजय दीक्षित, संजय द्विवेदी, राजेंद्र सिरोटिया, जितेंद्र गुप्ता, सुनील राठौर, जय किशोर मिश्रा, विक्की (निखिल) गुप्ता, राजीव अग्निहोत्री, दिलीप माधव, महादेव मर्सकोले, पालू सलूजा, विशाल अग्निहोत्री आदि इस सेवा में सम्मिलित रहे।

जनपरिषद ने पूरे देश में बनाए 250 चैप्टर्स

बैतूल। अग्रणी संस्था जन परिषद ने अपना विस्तार करते हुए देश भर में 250 चैप्टर्स बना लिए हैं। उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष और पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी एवं उपाध्यक्ष व पूर्व डीजीपी महान भारत सागर ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी ने सभी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोगियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब हमारी जिम्मेदारी और अधिक हो गई है। श्री महान भारत सागर ने कहा कि जन परिषद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ पीपल के नाम से सात चैप्टर्स का गठन कर चुकी है, और यह सिलसिला अभी जारी है। उपाध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी अजात शत्रु, एसके मिश्रा एवं जीपी श्रीवास्तव के अनुसार दिसंबर के अंत तक 300 चैप्टर्स बनाने का लक्ष्य है। रामजी श्रीवास्तव एवं अजय श्रीवास्तव नीलू ने कहा कि जन परिषद की इस उपलब्धि में पत्रकार बंधुओं का विशेष सहयोग रहा।

10 वृद्ध वृद्धजन प्रेरणा सम्मान से सम्मानित

श्रद्धालय वृद्धाश्रम का कार्य सराहनीय : उमाशंकर गुप्ता

धार। धारानगरी संस्कारों की नगरी है। हमारे संस्कारों व संस्कृति में वृद्धाश्रम का कोई स्थान नहीं है। आधुनिक जीवन शैली व धैर्य की कमी से वृद्धाश्रम का चलन बढ़ा है। धार में संचालित वृद्धाश्रम के नवाचार जानने व देखने को मिले। यह कार्य सराहनीय है। ये विचार अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर पूर्व गृहमंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता ने व्यक्त किए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर 10 वृद्धों श्री बबनदास अग्रवाल, डॉ भगवान पाटीदार, श्री उमाशंकर जोशी, विमल जी गोधा, पपीता किंग मोहन जी पाटीदार, वृक्षमित्र लुणा जी काग, संस्कृत विद्वान हरिनारायण शास्त्रीजी, योगाचार्य रामकिशोर पांडेय को वृद्धजन प्रेरणा सम्मान से सम्मान पत्र, शाल श्रीफल व मोतीमाला प्रदान सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांजन सशक्तिकरण विभाग अभिषेक चौधरी द्वारा वृद्धजन कल्याण योजनाओं का उल्लेख किया व वृद्धा पेंशन प्रमाण पत्र जारी किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा सायबर सुरक्षा की जानकारी दी व पत्रक का विमोचन व वितरण भी किया। अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन के बाद कत्थक नृत्यांगना सुश्री सिद्धि सातले द्वारा गणपति वंदना व राम वंदना की उल्लेखनीय व शानदार प्रस्तुति दी। अतिथियों का स्वागत आशीष गोयल, पराग अग्रवाल, जयंत जोशी, अतुल जैन, अजय मोदी, महेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, मीनाक्षी लहरे, रेणु अग्रवाल, महेश पाटीदार, गोपाल तंवर द्वारा किया गया। अग्रवाल महासभा ने भोजन शाला कार्य निमित्त आठ हजार रुपये, श्री सुरेश गोयल द्वारा वाटर कूलर, वीर सावरकर जनहित सेवा न्यास द्वारा तीस हजार रुपये आदि दान दिए गए। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री अनंत अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रियंवदा व अवनीश दुबे उपस्थित रहे। समापन में बड़ी संख्या में उपस्थित समाजजनों ने नशामुक्ति की शपथ ली। संचालन भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने किया। आभार हरिहरदत्त शुक्ल ने व्यक्त किया।

श्री लक्ष्मी गौशाला में संपन्न हुआ गांव तर्पण कार्यक्रम

धार। धार के जैतपुरा स्थित श्री लक्ष्मी गौशाला में गौ माता की आत्मा की शांति हेतु गौ तर्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ । केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर एवं भाजपा के जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, भाजपा मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ,समिति के अध्यक्ष नरेश राजपुरोहित एवं समिति के अन्य अधिकारियों द्वारा गौ माता का पूजन किया। समिति के अध्यक्ष नरेश राजपुरोहित, संरक्षक नरेश गंगवाल, बसंती लाल जैन मामा, उपाध्यक्ष देवचंद बोडिया, भास्कर राव सोनाने ,नंदराम टॉक, कमल हरोड़, राजेश रोड, प्रशांत रावल के साथ ही शहर के नागरिकों द्वारा जो गौ माताएं सड़कों पर, किसानों के घरों पर शहर में, गौशालाओं में या अन्य जगहों पर दिवंगत हुई है उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया । यह सिलसिला दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चला।

150 प्रतिभागी बच्चों के बीच तीरंदाजी प्रतियोगिता सम्पन्न...

शिक्षा अधिकारी की उम्मीद ध्वस्त..

नर्मदापुरम। तीन दिवसीय राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आज सादगीपूर्ण समापन हो गया। 28, 29, 30 तक चली तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या विभागीय अधिकारी के कथनानुसार एक चौथाई पूरी हो पाई। कलेक्टर की अनुपस्थिति में जिला शिक्षा अधिकारी ने मुख्यालय पर तीरंदाजी प्रतियोगिता को लेकर बैठक आयोजित करते हुए दावा किया था। मुख्यालय पर होने जा रहे राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में 500 प्रतिभागी और उनके साथ लगभग 100 अधिकारी नर्मदापुरम आयेंगे जिनके नहीं आने से आयोजन का उद्देश्य खानापूर्ति वाला रहा। विभाग ने प्रतियोगिता पूर्ण कराने के लिए दो दिन पहले हालांकि लावारिस कहे जाते स्टेडियम को तैयार करने की पूरी कोशिश की लेकिन होने वाली वारिश ने शिक्षा विभाग के मनसूबों पर पानी फेर दिया। यहां प्रतियोगिता सम्पन्न कराने वालों से सवाल किया जाना चाहिए जब इटारसी में जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने तीरंदाजी फीडर सेन्टर बना रखा है सभी सुविधाएं मुहैया करा रखी है फिर यह प्रतियोगिता इटारसी में आयोजित नहीं कराने के पीछे कारण क्या है..? फिर खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जब एस एन जी स्टेडियम जीर्णोद्धार के लिए नर्मदा शिक्षा समिति प्रबंधक को दो लाख रुपए नब्बे के दशक में अनुदान लिखित एग्रीमेंट कर दिए वह उससे आज तक उस अनुदान से किए गए कार्य का भौतिक सत्यापन प्रमाण पत्र मांग नहीं पा रहा ना दी गई अनुदान राशि वसूल पाया उल्टा उसके अनुदान राशि देकर अच्छे भले नजूल खेल मैदान को लावारिस स्टेडियम बना रखा। राज्य स्तरीय हुई तीरंदाजी प्रतियोगिता की व्यवस्था को लेकर यहां कई सवाल खड़े हो रहे, नर्मदापुरम संभागीय मुख्यालय पर एक खेल मैदान ढंग का नहीं खेल के नाम पर जबकि खेल अधिकारियों की लगातार पोस्टिंग, खेलों के लिए बजट, प्रशिक्षण आखिर इसके मायने क्या..? बाहर से आने वाले प्रतिभागी बच्चों के मन पर खेल आयोजन को लेकर विपरीत प्रभाव तो पड़ेगा, क्यों.. खेल एवं युवा कल्याण विभाग सहित शिक्षा विभाग इसे गंभीरता से लेना चाहिए। प्रधानमंत्री खेलों को बढ़ावा देने के लिए क्या कुछ नहीं कर रहे और हम खेल मैदान तक सुरक्षित नहीं रख पा रहे क्यों ..? खेल की ख्याति लेकर खिलाड़ी जब नगर आते खिलाड़ी के स्वागत करने से पहले पूछें तो उस उंचाई पर पहुंचाने के इस संर्घष में किसने कितना योगदान दिया। पुलिस परेड ग्राउंड और एसपीएम खेल मैदान को छोड़कर बाकी नगर के सभी खेल मैदानों की हालत तो खराब है जिन्हें आय का साधन बना रखा है।

उर्वरक विक्रेता कृषकों को शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही उर्वरक विक्रय करें, अन्यथा होगी कठोर कार्यवाही

जिले में उर्वरकों का पर्याप्त भण्डारण

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिला कृषि प्रधान एवं अग्रणी जिला है। जिले में खरीफ वर्ष 2024 में धान, सोयाबीन, उड़द, अरहर, मक्का, ज्वार आदि फसलें 2.20 लाख हेक्टेर में बोनी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जो शतप्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में खरीफ फसलें पककर तैयार हैं, जिनकी कटाई व गहाई का कार्य चल है। जिले में रबी वर्ष 2024-25 में 3.20 लाख हेक्टर का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है। कुछ क्षेत्रों में खेत खाली हो गये हैं, जिनमें रबी बोनी कार्य के लिए खेत तैयार किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में रबी सीजन के लिए जिले को लगातार उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। वर्तमान में जिले में 37066 मी. टन यूरिया का भंडारण कर 32630 मी. टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है, जो गत वर्ष इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष अधिक है। इसी प्रकार जिले में 6571 मी. टन डीएपी का भंडारण कर 6514 मी. टन डीएपी का वितरण किया जा चुका है। काम्पलेक्स 7805 मी. टन डीएपी का भंडारण कर 6695 मी. टन का वितरण किया जा चुका है और एसएसपी 8884 मी. टन का भंडारण कर 6650 मी. टन डीएपी का वितरण किया जा चुका है। जिले के किसान शासन द्वारा निर्धारित 266.50 रुपये यूरिया एवं 1350 रुपये डीएपी पर ही उर्वरक का क्रय करें। जिले से रबी वर्ष 2024-25 हेतु 65500 मी.टन यूरिया की मांग शासन से की गई है, जिसकी आपूर्ति की जा रही है। जिले में लगातार उर्वरकों की रैक प्राप्त हो रही है। जिले में डीएपी, एनपीके एवं म्यूरेट पोटाश का भंडारण पर्याप्त मात्रा में है। जिले में डबल लॉक को केन्द्र से सभी सहकारी समितियों के केन्द्रों को यूरिया की आपूर्ति की जा रही। जो किसान समिति के सदस्य उर्वरक वे अपनी- अपनी समितियों से उर्वरक क्रय करें तथा शेष किसान जिले के डबल लॉक केन्द्रों, विपणन सहकारी समिति एमपी एग्रो एवं निजी विक्रेताओं के यहां से उर्वरक क्रय कर सकते हैं अधिकांश किसानों द्वारा केवल यूरिया एवं डीएपी उर्वरक का ही फसलों में उपयोग किया जा रहा है, जो केवल नाइट्रोजन- एन, फास्फोरस- पी तत्व की ही आपूर्ति करते हैं। पोटाश एक प्रमुख पोषक तत्व है, जिसका फसल के स्वास्थ्य एवं अनाज की गुणवत्ता से सीधा संबंध है। वर्तमान में काम्पलेक्स उर्वरक जैसें आदि उपलब्ध हैं, जिसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश तीनों तत्व पायें जाते हैं, जो जिले में पर्याप्त भण्डारित हैं। अत किसान कॉम्पलेक्स उर्वरकों का उपयोग करें। उप संचालक कृषि ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे यूरिया का अनावश्यक भण्डारण नहीं करें। जिले में प्राप्त होने वाले उर्वरकों को मार्कफेड के डबल लॉक, एमपी एग्रो के गोदाम, सहकारी समितियां एवं निजी विक्रेताओं के माध्यम से उर्वरकों का वितरण कार्य किया जा रहा है।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने भारतीय खेल प्राधिकरण का निरीक्षण कर खिलाड़ियों से चर्चा की

धार। केंद्र सरकार में महिला एवं बाल विकास केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर मंगलवार को भारतीय खेल प्राधिकरण कुशाभाऊ ठाकरे खेल प्रशिक्षण केंद्र जेतपुरा धार का निरीक्षण कर आवासीय खिलाड़ियों से चर्चा की साथ ही खेल के कोच से बातचीत कर वहां की व्यवस्थाओं को जाना और आश्वासन दिया कि यहां जो भी खिलाड़ियों के लिए जो मूलभूत सुविधाएं नहीं है वह मांग पत्र के माध्यम से मुझे दे में शीघ्र ही केंद्र सरकार के माध्यम से हम आपकी मांगे पूरी करेंगे। यह कुशाभाऊ ठाकरे खेल प्रशिक्षण केंद्र पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री विक्रम वर्मा के विशेष प्रयासों से बना था। इसका शुभारंभ पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी कपिल देव ने किया था। यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर देश का नाम रोशन किया है। वर्तमान में संचालित खेल- तीरंदाजी, बैडमिंटन और ताइक्कांडो है।

इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,पंकज खत्री, प्रभारी प्रशिक्षक नरेश कुमार भावसार राजेश तंबोलिया ओमप्रकाश माखनिया, लक्ष्मीनारायण वागेला, रोनी मोदी दुष्यंत सिंह चौहान राजेंद्र सिंह भंडारी,पत्रकारगण सहित विभिन्न खेलों के खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सरकारी छात्रवृत्ति पर यूके में अध्ययन के लिए चयनित हुईं वाल्मीकि समाज की छात्रा

धार। धार की आयुषी पिता दिनेश खोड़े, वाल्मीकि समाज की मेधावी छात्रा, को राष्ट्र स्तरीय सरकारी छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है, जिसके तहत वह यूनाइटेड किंगडम में एम.एस.सी. (मास्टर ऑफ साइंस) की पढ़ाई करेंगी। आयुषी इंग्लैंड के एक प्रमुख विश्वविद्यालय में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगी। उनका

चयन एक कड़ी प्रतियोगिता के बाद हुआ है। यह उपलब्धि उनके परिवार में शिक्षा के प्रति समर्पण की परंपरा को और भी मजबूत करती है, क्योंकि उनकी बड़ी बहन अपूर्वा पिता दिनेश खोड़े ने भी 2022 में राज्यस्तरीय सरकारी छात्रवृत्ति के माध्यम से विदेश में अपनी पढ़ाई पूरी की थी।

जानकारी देते हुए राजेश डाबी ने बताया कि अपूर्वा, आयुषी और उदित की माताजी मंजू खोड़े जिन्होंने अपने पति के निधन के बाद अपनी संतान की शिक्षा और पालन-पोषण की जिम्मेदारी अकेले ही निभाई है वे इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रही हैं। समाज में शिक्षा और संघर्ष की प्रेरणा देने वाली इस कहानी ने क्षेत्र के अन्य छात्रों के लिए एक मिसाल कायम की है।

बलात्कार के आरोपी को दस साल सश्रम कारावास की सजा, 5 हजार अर्थ दंड से दंडित किया

सुबह सवेरे सोहागपुर

द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश श्री सुरेशकुमार चौबे की अदालत ने आरोपी रामस्वरूप चढ़ार पिता धूमन चढ़ार उम्र 56 साल निवासी गांधी वार्ड इटारसी को बलात्कार के मामले में दोषी पाकर 10 साल सश्रम कारावास एवं 5 हजार रूपये के अर्थ दंड से दंडित करने का आदेश पारित किया है। घटना के संबंध में अपर लोक अभियोजक शंकरलाल मालवीय ने बताया कि 2 सितंबर 2022 रात्रि करीबन 1.30 बजे अभिभोत्ती भोपाल इन्दौर बिलासपुर ट्रेन से आ रही थी। आरोपी ने उसे सोहागपुर रेल्वे स्टेशन पर उतरा और उसे बस जुन्नार देव जाने की बात कहकर उसे पलकमती नदी रेल्वे पुल के पास ले गया। जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दो बार बलात्कार किया। और सोहागपुर रेल्वे स्टेशन सोहागपुर में छोड़ने के लिए आया था। इसी समय अभिभोक्ती ने एक व्यक्ति को घटना की जानकारी दी। तत्काल 100 डायल गाड़ी आ गई। अभिभोत्ती ओर आरोपी को थाने लेकर गई। अभिभोक्ती ने आरोप के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई। अभियोजन की तरफ से 14 साक्षियों का परीक्षण कराया गया था। प्रकरण की विवेचना उप निरीक्षक मेघा उदेनिया ने की थी। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक शंकर लाल मालवीय ने पैरवी की थी।

सोहागपुर पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोपी को गिरफ्तार किया

सुबह सवेरे सोहागपुर। पुलिस अधीक्षक गुरकरनसिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र तथा एसडीओ पुलिस सोहागपुर संजू चौहान के निर्देशन में सोहागपुर पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है । उल्लेखनीय है कि 28 सितंबर को सोफी खान उम्र 19 साल निवासी सेमरी हरचंद ने अपने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मर्ग पंजीयन करके जांच की थी । जिसमें जांच उपरांत मृत्तिका के सुसाइड नोट एवं परिजनों के कथन के आधार पर आरोपी जीशान अली पिता मुश्ताक अली उम्र 21 साल के विरुद्ध धारा 108 बीएनएस का अपराध दर्ज किया गया था। प्रकरण में आरोपी फरार होने के कारण पतारसी कर आरोपी जीशान अली निवासी मुसलमानी मोहल्ला सेमरी हरचंद को गिरफ्तार न्यायालय पेश किया गया । आरोपी को जैल में दाखिल किया गया। ज्ञातव्य है कि इस मामले में मृतिका के परिजनों सहित सामाजिक बन्धुओं ने समीपवर्ती ग्राम सेमरीहरचंद में शव रखकर रास्ता जाम कर

दिया था। बाद में नगर निरीक्षक कंचनसिंह आदि अधिकारियों ने आरोप को गिरफ्तार करने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया था।

मुख्य भूमिका- इस गंभीर मामले में नगर निरीक्षक सोहागपुर कंचन सिंह ठाकुर, चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आकाशदीप, सहायक उपनिरीक्षक नरेश रघुवंशी आदि की मुख्य भूमिका रही ।

नवीन थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

एसडीएम ने कहा कि नौ दिनी उत्सव में जनता-जनार्दन को परेशानी न हो, सफाई, बिजली व्यवस्था सुचारू हो

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

नवीन थाना परिसर में नव दुर्गा उत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन, एसडीओ पुलिस संजू चौहान, नवपदस्थ तहसीलदार राकेश खजूरिया,नगर निरीक्षक कंचनसिंह, नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा आदि की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन ने बिजली विभाग के जेई लालजीराम खैरवार की काफी खिंचाई की। कहा आप जनता के फोन नहीं उठाते हैं। आप सभी के फोन उठाएं।

शहरीय, ग्रामीण क्षेत्रों में - एसडीएम ने कहा कि शहरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नीचे झूल रहे तारों की तत्काल ऊपर करवाएं। नगर के प्रत्येक खंबों पर पर्याप्त रोशनी हो। नौ दिन तक पर्याप्त बिजली मुहैया कराएं।

सफाई व्यवस्था - आपने नगरपालिका अधिकारी को कहा कि नगर में सफाई व्यवस्था ठीक ठाक रहे। गड्ढों का भरा जाए क्योंकि कई श्रद्धालु भक्त नौ दिनों तक चप्पल जूते नहीं पहिनते हैं। इसके लिए विशेष ध्यान रखें।

लोक निर्माण विभाग - आपने लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी के उपस्थित न होने पर नाराजगी जताई। आपने कहा कि कलेक्टर सोनिया मीना ने आज अधिकारियों की बैठक में कहा कि पिपरिया आदि दूर दराज के महिलाएं नागरिक पैदल नंगे पांव माता के दर्शन करने जाते हैं। इसलिए रास्तों में गड्ढे पूरे जाएं

सड़कों पर गाय आदि न रहे - आपने निर्देशित

किया कि सड़कों पर गाय आदि न रहे। ताकि कोई दुर्पघटना न हो।नगर पंचायत की हांका टीम सजग रहें।

नगर पंचायत को निर्देश - आपने नगर पंचायत को निर्देशित किया कि नगर के किसी भी क्षेत्र में अंधेरा न हो। इसके लिए पर्याप्त बिजली की व्यवस्था कराएं।

इसी अवसर पर मधुर मिलन दशहरा महोत्सव समिति अध्यक्ष यशवंत जैसवार ने कहा कि रावण का दहन रामलीला मैदान पर होगा। लेकिन अधिकांश सदस्यों ने पलकमती नदी रिपटे के पास ही दहन की बात रखी। अधिकारियों ने कहा कि पलकमती नदी के पास ही पर्याप्त व्यवस्था बन जाएंगी। इसी अवसर पर खेड़ापति माता मंदिर के आसपास सफाई व्यवस्था की बात कही गई। इधर गरबा नृत्य करने पर अधिकारियों ने कहा कि बगैर कार्ड के प्रवेश न देवें। वहीं अधिकारियों ने सभी उत्सव समितियों से आग्रह किया कि सीसीटीवी कैमरे लगाए। बिजली के तारों का खुला न छोड़ें। मंडप को खाली न छोड़ें। कोई भी समिति सदस्य वहां उपस्थित अवश्य रहे।

प्रतिमाएं स्थापना - एसडीओ पुलिस संजू चौहान ने कहा कि क्षेत्र में करीबन 75 से अधिक प्रतिमाओं की स्थापना होगी। आपने सभी से आग्रह किया कि मंडप स्थल पर समिति का सदस्य जरूर रहे।

इसके पूर्व नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने कहा कि साइबर - फिराड से बचें। किसी अनजानी लिंक पर न जाएं। इससे आपके साथ धोखाधड़ी हो सकती है। आपने आगे कहा कि सभी प्रतिमा स्थलों पर पुलिस कर्मियों की व्यवस्था नहीं की जा सकती।हमारी पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी निरंतर भ्रमण करती रहेगी। इस अवसर पर शांति समिति के कई

सदस्यों ने अपनी अपनी बात रखी। इस अवसर पर ज्ञानी सुरजीतसिंह बावड़ी वाले मंदिर के महंत हरिकिशन दास, पंडित प्रकाश मुद्गल, पूर्व नपाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह चौधरी, समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटैल, पूर्व पार्षद लक्ष्मी नारायण सोनी, पार्षद जमील खान, संतोष सराठे, पूर्व पार्षद चन्द्रकान्त चौरसिया, नितिन सूर्यवंशी, पार्षद गौरव पालीवाल,उमेश रघुवंशी, इन्दु दीवान,अभिनव पालीवाल, मधुर मिलन दशहरा महोत्सव समिति अध्यक्ष यशवंत जहवार, विजय अग्रवाल, पूर्व पार्षद मोहन कहार, पूर्व नपाउपाध्यक्ष संजय मालवीय, संजय पचौरी, संजय परसाई, राकेश चौधरी, इरफान खान, वकील अखिलेश मालवीय, नीरज चौधरी, ऋषभ दीक्षित, आकाश चौरसिया, गजेन्द्र चौधरी, पूर्व पार्षद जगदीश अहिरवार, चुन्नी लाल मुद्गल, ठाकुर रीतेशसिंग सहित समिति सदस्य, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ब्रह्मकुमारी संस्थान के ग्लोबल समिट में शामिल होंगी राष्ट्रपति

- 'आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ व स्वस्थ समाज' विषय पर होगा आयोजन, देश-विदेश से जुटेंगी हस्तियां

भोपाल (नप्र) । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 4 अक्टूबर को सुबह 10 बजे माउंट आबू स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में आयोजित चार दिवसीय ग्लोबल समिट का उद्घाटन करेंगी। इस वर्ष का विषय है 'आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज'। राष्ट्रपति मुर्मु 3 अक्टूबर को विशेष विमान से शांतिवन पहुंचेंगी, जहां रात्रि विश्राम के बाद वे समिट का विधिवत शुभारंभ करेंगी। इस समिट में देश-विदेश की कई जानी-मानी हस्तियां भाग लेंगी, जो धर्म, अध्यात्म, शिक्षा, राजनीति, व्यापार और मीडिया के क्षेत्रों से संबंधित हैं। समिट के संयोजक और संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने जानकारी दी कि इस वर्ष भी समिट में कुल आठ सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें दो प्रमुख सत्र शामिल होंगे। समिट के अंत में रात को विभिन्न कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

राष्ट्रपति बनने के बाद दूसरा दौरा

ये राष्ट्रपति मुर्मु का शांतिवन का दूसरा दौरा है। उन्होंने पहले 3 जनवरी 2023 को यहां आकर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आध्यात्मिकता से स्वर्णिम भारत का उदय कार्यक्रम में भाग लिया था। समिट की तैयारियां जल्द ही शुरू की जाएंगी।

सौतेले पिता ने की 12 साल की नाबालिग से छेड़छाड़

- निशातपुरा इलाके की घटना, पुलिस ने आरोपी को लिया हिरासत में

भोपाल (नप्र) । 12 साल की नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है, इस मामले में आरोपी सौतेले पिता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, घटना 21 सितंबर की बताई जा रही है, जिसके बाद नाबालिग युवती की मां ने इस मामले में 30 सितंबर को निशातपुरा थाने में शिकायत की, शिकायत के बाद मां और बच्ची दोनों की काउंसिलिंग की गई, और आरोपी को हिरासत में लिया गया। निशातपुरा थाने से सब इंस्पेक्टर रिचा ने बताया कि अभी बयान लिए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपी को पेश किया जाएगा। पुलिस के अनुसार नाबालिग की मां ने दूसरी शादी हाल ही में की थी, वह ससुराल में नहीं रहती थी, आरोपी मायके में ही महिला से मिलने जाया करता था, 21 सितंबर को आरोपी सौतेला पिता घर आया हुआ था, मां ने बच्ची के साथ छेड़छाड़ करते देखा, जिसका विरोध करने पर आरोपी ने मां और बच्ची को पीटा भी। जिसके बाद 30 सितंबर को आकर पुलिस इस मामले की शिकायत की। जिसके बाद पुलिस द्वारा बच्ची से बातचीत में पता चला कि वह पहले भी ऐसा कर चुका है।

नीरज मंडलोई एसीएस बने, स्मिता माशिमं अध्यक्ष

- वीरा राणा के रिटायरमेंट से मिला मौका, अब मलय की सेवानिवृत्ति पर अनुपम बनेंगे एसीएस

भोपाल (नप्र) । प्रदेश की मुख्य सचिव वीरा राणा के रिटायर होने के बाद मुख्य सचिव वेतनमान के रिक्त पद पर प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई की नियुक्ति की गई है। मंडलोई एक अक्टूबर से अपर मुख्य सचिव होंगे। उन्हें एसीएस पद पर प्रमोट करने के आदेश राज्य सरकार ने जारी कर दिए हैं। मंडलोई के बाद अब अनुपम राजन नवम्बर में पद रिक्त होने पर अपर मुख्य सचिव बनाए जाएंगे। उधर वीरा राणा के रिटायर होने के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल के अध्यक्ष के रिक्त पद पर खाद्य और नागरिक आपूर्ति तथा खेल और युवक कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव स्मिता भारद्वाज को माशिमं अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश में मुख्य सचिव वीरा राणा को मार्च 2024 में छह माह का एक्सटेंशन मिलने के बाद एसीएस का एक पद रिक्त नहीं हो पाया था। इसके चलते जब अगस्त में संजय बंदोपाध्याय रिटायर हुए तो संजय दुबे को एक सितम्बर से एसीएस पद पर प्रमोट किया गया था। दरअसल केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ रहे संजय बंदोपाध्याय की एमपी में वापसी समय से पहले हो गई थी। इस कारण जब एसीएस अश्विनी राय जून में रिटायर हुए तो उनके रिक्त पद पर बंदोपाध्याय का समायोजन किया गया था। अब जबकि वीरा राणा सेवानिवृत्त हो गई हैं तो एसीएस बनने के लिए सबसे सीनियर प्रमुख सचिव 1993 बैच के नीरज मंडलोई हैं जो वर्तमान में नगरीय विकास और आवास विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। अगर राणा को रिटायरमेंट नहीं मिलता तो मंडलोई को एसीएस बनने के लिए दो माह तक इंतजार करना पड़ता।

विधायक आगामी 4 वर्ष के विकास की कार्य योजना बनाकर दें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● कांग्रेस विधायकों ने मांगा फंड, सीएम बोले-विजन डॉक्यूमेंट दीजिए ● सिंघार ने कहा-भाजपा विधायकों को 15-15 करोड़, हमसे प्रस्ताव तक नहीं लिए

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 27 कांग्रेस विधायक मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करने पहुंचे। विधायकों ने विकास कार्यों के लिए सरकार से फंड नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने कहा, 'बीजेपी विधायकों से 15-15 करोड़ रुपए के प्रस्ताव हर वित्तीय वर्ष के हिसाब से लिए जा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस विधायकों से यह प्रस्ताव नहीं मांगे गए हैं।'

सीएम हाउस में करीब सवा घंटे तक चली बैठक में मुख्यमंत्री और विधायकों के बीच दूसरे मुद्दों पर भी बातचीत हुई। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों को लेकर भी सीएम से चर्चा की। बैठक के बाद उन्होंने कहा- विधायकों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। इस मामले में कांग्रेस और बीजेपी नहीं देखना चाहिए। विधायक चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं। सीएम निष्पक्ष होकर सबके विकास कार्यों को प्राथमिकता दें।

सीएम बोले- विधायकों को विजन डॉक्यूमेंट बनाने को कहा- कांग्रेस विधायकों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, आज नेता प्रतिपक्ष और अन्य विधायक आए थे। सभी विधायकों को उनकी विधानसभाओं का विजन डॉक्यूमेंट बनाने को कहा गया है। पूछा है कि वे आने वाले पांच साल में अपने विधानसभा क्षेत्र को कहां लेकर जाना चाहते हैं। कांग्रेस विधायकों ने सीएम हाउस में

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर फंड नहीं मिलने की शिकायत की।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- प्रदेश का किसान नाराज- मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, प्रदेश का किसान नाराज है। सरकार ने वादा किया था कि धान 3100 रुपए और गेहूं 2700 रुपए के समर्थन मूल्य पर खरीदेंगे। विधानसभा में भी हमने यह मुद्दा उठाया था। सोयाबीन और मक्का की फसल को अतिवृष्टि के कारण नुकसान हुआ है, इसका तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा देना चाहिए। सिंघार ने कहा, मध्यप्रदेश सरकार उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं भेज पाती, इस कारण केंद्र सरकार से पैसा नहीं आ रहा है। आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्यों के करोड़ों रुपए रुके हुए हैं। हमने सीएम से कहा कि नल-जल योजना में कांग्रेस-बीजेपी की बात नहीं आनी चाहिए। हर घर पानी पहुंचना चाहिए।

सीएम से कहा- प्रस्ताव दिए लेकिन फंड नहीं मिला- सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल ने कहा- आज 27 विधायक मुख्यमंत्री से मिले हैं। हम लोगों ने विधानसभा क्षेत्रों के विकासकार्यों के लिए प्रस्ताव दिए थे लेकिन फंड नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि इस पर जल्द कार्रवाई होगी।

भाजपा विधायक बोले- सारे काम हो रहे- कांग्रेस के आरोपों पर कालापीपल से भाजपा विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने कहा, ऐसा नहीं है। सारे विभागीय काम हो रहे हैं। कांग्रेस के लोगों का काम है मुद्दा बनाना। भाजपा सरकार विकास के काम कर रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक-एक चीज की समीक्षा हो रही है। वे विधायकों से लगातार मिल भी रहे हैं। हमारे दो बार के प्रस्ताव सब्मिट हो गए हैं। कुछ राशि आ भी गई है।

कांग्रेस के 63 विधायकों में से 27 ही पहुंचे- मध्यप्रदेश में कांग्रेस के 63 विधायक हैं लेकिन सीएम से मिलने के लिए 27 विधायक ही पहुंचे। कांग्रेस नेताओं ने तर्क दिया कि विधायकों की ओर से फंड न मिलने की शिकायतें रोज आती हैं। सोमवार शाम को ही यह तय हुआ कि सीएम से मुलाकात करने जाएंगे। सूचना सभी विधायकों को भेजी गई थी लेकिन कई विधायकों के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम और बैठकें थीं। कुछ लोग कम समय होने के चलते नहीं आ पाए।

देश की पहली आधुनिक और आत्म-निर्भर गौ-शाला ग्वालियर में

● प्रति दिन 3 टन सीएनजी, 20 टन सर्वोत्तम गुणवत्ता का बायो जैविक खाद मिलेगा ● 10 हजार गायों से मिलेगा 100 टन गोबर ● कार्बन उत्सर्जन रोकने में बनेगी वैश्विक आदर्श ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जताया प्रधानमंत्री श्री मोदी और संतों का आभार

भोपाल(नप्र)। देश की पहली आधुनिक और आत्मनिर्भर गौ-शाला ग्वालियर में बनकर शुभारंभ के लिए तैयार है। इस गौशाला में इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के सहयोग से 2 हेक्टेयर क्षेत्र में बायो सी.एन.जी. प्लांट स्थापित हो गया है। इस प्लांट के संचालन के लिए 100 टन गोबर का उपयोग कर प्रतिदिन 3 टन तक सीएनजी और सर्वोत्तम गुणवत्ता का जैविक खाद 20 टन मिलेगा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन प्लांट के संचालन एवं संधारण में भी सहयोग करेगा।

यह गौ-शाला इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की सामाजिक जिम्मेदारी निधि से 32 करोड़ रूपये की लागत से बना है। भविष्य में विस्तार की संभावना को रखते हुए एक हेक्टेयर की भूमि आरक्षित रखी गई है। गौ-शाला को और विस्तार देने सांसद निधि से 2 हजार गायों के लिये आधुनिक शेड निर्माण के लिए 2 हजार करोड़ रूपये की राशि दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनकी 'वेस्ट टू वेल्थ' के विकास दर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होने संत समुदाय के प्रति भी आभार व्यक्त किया है जो गौ-माता की सेवा कर रहे हैं। राज्य सरकार इस प्रयास के विस्तार के लिये पूरा सहयोग देगी। उल्लेखनीय है कि इंदौर में एशिया के सबसे बड़े सीएनजी प्लांट का संचालन हो रहा है। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। ग्वालियर की लाल टिपारा गौ-शाला आदर्श गौ-शाला में ग्वालियर नगर निगम और संत समुदाय के सहयोग से 10 हजार गायों की देखभाल की जा रही है। बायो सीएनजी प्लांट के साथ ही इंक्यूबेशन सेंटर भी जल्दी ही शुरू किया जायेगा।

भोपाल के कोलार सिक्सलेन पहुंचे विधायक-कलेक्टर

चौड़ा होगा कोलार तिराहा ; ताकि, चार इमली–बिट्ठन मार्केट से आने वाले वाहनों से जाम न लगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में करीब 305 करोड़ रुपए से बन रहे कोलार सिक्सलेन का काम अब आखिरी दौर में है। अभी कोलार तिराहे को चौड़ा किया जा रहा है। मंगलवार को विधायक रामेश्वर शर्मा और कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह निर्माण कार्य को देखने पहुंचे। विधायक ने कहा कि कोलार तिराहे को अधिकतम चौड़ा किया जाए। ताकि, हर रोज लाखों लोगों को फायदा मिल सके।

जनप्रतिनिधि और अफसरों ने सुबह 11 बजे से कोलार सिक्सलेन का निरीक्षण शुरू किया, जो करीब एक घंटे चला। कोलार तिराहे, सिक्सलेन के बाकी बचे काम को लेकर पीडब्ल्यूडी के अफसरों के साथ मीटिंग भी हुई।

कोलार गेस्ट हाउस के पास तिराहे का निर्माण किया जा रहा है। विधायक रामेश्वर शर्मा, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

जल्दी काम पूरा होने से लोगों को राहत मिलेगी

निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि कोलार सिक्सलेन के प्रमुख चौराहों पर बचे हुए कामों को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने बताया, कोलार तिराहे को

अधिकतम चौड़ा किया जाएगा। ताकि जाम की स्थिति न बने। दोनों ही लेफ्ट टर्न को अधिकतम चौड़ा किया जा रहा है। जिससे चार इमली, बिट्ठन मार्केट और मैनिट की तरफ से आने वाले वाहनों से जाम न लगे।

निरीक्षण से पहले विधायक और कलेक्टर ने संबंधित विभाग प्रमुखों की मीटिंग की।

म.प्र.के 22 श्रद्धालु नेपाल में फंसे

पशुपतिनाथ दर्शन करने गए थे, बाढ़ से ब्रिज–सड़कें बही

भोपाल/डिंडौरी (नप्र)। नेपाल में तेज बारिश के बीच मध्यप्रदेश के 22 श्रद्धालु काठमांडू में फंस गए हैं। सभी पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए गए थे। काठमांडू से लौटने के दौरान काबरे जिले में तेज बारिश के बाद नदी में आई बाढ़ से ब्रिज और सड़कें बह गई। जिसके कारण श्रद्धालु यहां फंस गए। उनका कहना है कि हम भूखे-प्यासे हैं। सरकार हमें सुरक्षित बाहर निकाले।

श्रद्धालुओं ने केंद्र और मप्र सरकार से मदद की गुहार लगाई है। 22 श्रद्धालुओं में डिंडौरी के 7, मंडला का एक, जबलपुर के 6 और रीवा के 8 श्रद्धालु शामिल हैं। उनका कहना है कि भारतीय दूतावास के अधिकारी कोई मदद नहीं कर रहे हैं।

इधर, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि सबकी सकुशल वापसी के लिए भारत सरकार और नेपाल सरकार के अधिकारियों के बीच बातचीत जारी है।

जबलपुर कलेक्टर ने हेल्पलाइन नंबर किया जारी

जबलपुर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने कहा है कि जबलपुर के 6 लोगों समेत 22 लोग फंसे हुए है। सभी सुरक्षित है। जिला प्रशासन ने एक हेल्पलाइन नंबर 07612623925 जारी किया है। इसके अलावा नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर अनुराग सिंह के मोबाइल नंबर 9713813496 पर भी प्रभावित परिवार सहायता के लिए संपर्क कर सकते है।

नेपाल सरकार की मदद से सुरक्षित पहुंचे काठमांडू

श्रद्धालु दुर्गा साहू ने बताया, मैं अपने साथियों के साथ 24 सितंबर को पशुपतिनाथ दर्शन करने आया था। सिंधुली घाटी और काठमांडू के बीच काबरे जिले के मंगलतार पाला क्षेत्र में रविवार को भारी बारिश हुई। सड़क बहने के चलते हम आगे नहीं बढ़ पाए। हमने स्थानीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को अपनी समस्या फोन करके बताई। लेकिन कोई मदद नहीं मिली।

दुर्गा साहू ने बताया, नेपाल के बागमती के मुख्यमंत्री ने हमें हेलिकॉप्टर की मदद से सोमवार को धौली खेल अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद काठमांडू पहुंचाया गया। मेरे साथ संतोष साहू, खूबचंद साहू, दीपत मरावी, विनोद साहू, राजेश साहू, और रमेश साहू हैं। हम सभी निजी कार से नेपाल आए थे।

दूतावास के अधिकारियों ने रुपए की डिमांड की

एक श्रद्धालु ने बताया, एक हमने भारतीय दूतावास में अधिकारियों से बात की लेकिन उन्होंने हमने 7 हजार रुपए की डिमांड की। कोई सुनने को तैयार नहीं है। जानकारी मिल रही है कि उत्तरप्रदेश और बिहार के रास्ते भी बंद हैं। कोई वाहन नहीं चल रहे हैं।

परिवारों की वापसी के लिए जो भी बेहतर होगा, वो करेंगे

रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल का कहना है कि रीवा के 6 से 8 लोगों के फंसे होने की सूचना मिली है। शासन के जरिए कोऑर्डिनेट करेंगे। इन परिवारों की वापसी के लिए जो भी बेहतर होगा, वो करेंगे। चूंकि, मामला काठमांडू का है, इसलिए उच्च स्तरीय बात कर बेस्ट पॉसिबल सॉल्यूशन निकाला जाएगा।

तहसीलदार बोलीं- कलेक्टर-एसडीएम टॉर्चर कर रहे

6 साल का बेटा हॉस्पिटल में भर्ती, उससे मिल नहीं पा रही ; अपनी बात कहते–कहते रो पड़ीं

भिंड (नप्र) । भिंड के मौ तहसील में पदस्थ तहसीलदार माला शर्मा ने कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव और एसडीएम पराग जैन पर मेंटल टॉर्चर करने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है, मेरा 6 साल का बेटा बीमार है। ग्वालियर में भर्ती है। इस हालत में भी उसके साथ नहीं रह पा रही हूं। मुझे मुख्यालय छोड़ने को मना किया गया है। मैं ग्वालियर जाना चाहूं तो कई सवाल किए जाते हैं। किसी काम की परमिशन मांगती हूं तो जवाब नहीं मिलता।

हालांकि, तहसीलदार माला शर्मा खुद लंबे समय से विवादों में हैं। उन पर जमीन खरीद-फरोख्त, जब्त सरसों को खुर्द-बुर्द करने जैसे आरोप हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताया। कहा, मेरे खिलाफ कलेक्टर और एसडीएम षड्यंत्र रच रहे हैं। मुझे अपमानित करते हैं। मेरी बात नहीं सुनते। मैं मिलने जाती हूं तो मुझे चार-चार घंटे इंतजार कराते हैं। हमने उच्च अधिकारियों से इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, तहसीलदार पर गड़बड़ी के आरोप हैं। वे मनगढ़ंत बात कर रही हैं।

तहसीलदार ने महिला आयोग को लिखा लेटर

तहसीलदार माला शर्मा ने 18 सितंबर 2024 को राज्य महिला आयोग को इस बारे में लेटर भी लिखा है। उन्होंने लिखा, भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। मुझे 4 महीने में 10 से ज्यादा नोटिस थमाए गए हैं। जमीन खरीदने का आरोप भी लगाया जा रहा है। मैंने या मेरे पति ने कोई जमीन नहीं खरीदी है।

जिस जमीन की बात की जा रही है, वो किसी दूसरे व्यक्ति ने खरीदी है। उसका नाम मेरे पति से मिलता है लेकिन पिता के नाम अलग हैं। मैं पति का आधार कार्ड भी दे चुकी हूं। तहसीलदार का यह भी कहना है, एसडीएम पराग जैन जबरन मुझ पर दबाव बनाते हैं। वे कलेक्टर को मेरे खिलाफ गलत जानकारी देते हैं। दोनों अधिकारियों ने मिलकर मुझे हटा दिया था। कोर्ट से मुझे स्टे मिला है।

तहसीलदार का आरोप- मेरे अधिकार छीनकर किसी और को दिए

तहसीलदार माला शर्मा ने मीडिया से कहा, अब मेरे अधिकार छीनकर प्रताड़ित किया जा रहा है। मौ तहसील में दो सर्कल हैं। एक मौ, दूसरा देहगांव। मौ में मैं पदस्थ थी और देहगांव में रामलोचन तिवारी। बाढ़ प्रभावित एरिया का सर्वे कराने एसडीएम और कलेक्टर ने नायब तहसीलदार उदय सिंह जाटव को मौ सर्कल में भेजा।